



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

वर्ष : 17 अंक : 91

न्यूज ब्रीफ

भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती, पीएम मोदी बोले- भूपेन दा की आवाज ने पूरे देश में फूँकी असम की आत्मा



गुवाहाटी/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत रत्न, महान गायक और संगीतकार भूपेन हजारिका को उनकी जन्मशती पर मंगलवार को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, डॉ. भूपेन हजारिका जी की 100वीं जयंती पर उन्हें याद कर रहा हूं। उनकी आवाज ने असम के आत्मा और पूर्वोत्तर की भावना को पूरे देश तक पहुंचाया। अपने संगीत के माध्यम से उन्होंने अनगिनत लोगों के विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्ति दी। उनके गीत लोगों को एक-दूसरे के करीब लाए। प्रधानमंत्री ने पिछले साल गुवाहाटी में आयोजित भूपेन हजारिका की जन्मशती समारोह की शुरुआत में शामिल होने की अपनी स्मृतियों को भी साझा किया। उन्होंने कहा, भूपेन दा का जीवन और उनका काम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पोस्ट किया, ब्रह्मपुत्र के गायक, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भूपेन दा के संगीत ने असमिया संस्कृति को उसकी तमाम विविधताओं के साथ दुनियाभर में पहुंचाया और उनके गीतों में उस भावना की झलक मिलती है जिसने समाज को सदियों से एकजुट रखा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पोस्ट किया, भूपेन हजारिका ऐसी भावना हैं जो राज्य के लोगों के दिल और आत्मा में बसती है। भूपेन का सदाबहार संगीत और गहरे अर्थ वाले शब्द पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं। भूपेन हजारिका का जन्म आठ सितंबर, 1926 को असम के तिनसुकिया जिले में हुआ था। उनका निधन पांच नवंबर, 2011 को हुआ। उन्हें 2019 में मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

उपभोक्ता चाहते हैं पैकेट पर साफ दिखे ‘ज्यादा चीनी-नमक-फैट’ की चेतावनी, सर्वे का बड़ा खुलासा



नई दिल्ली/ जीएनएस। पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों में चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा है तो इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को पैकेट के सामने ही साफ-साफ मिलनी चाहिए। लोकल सर्वेक्ल्स के एक सर्वे में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने कहा कि किसी उत्पाद में इनमें से एक भी चीज तय सीमा से ज्यादा हो तो उस पर स्पष्ट चेतावनी होनी चाहिए। उपभोक्ताओं ने यह भी कहा कि इसके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के प्रस्तावित नियमों के दूसरे चरण का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए।एफएसएसआई ने 28 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में एक प्रस्ताव पेश किया था। इसमें पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने वाले हिस्से पर मिलाई गई चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट की अधिक मात्रा होने पर तस्वीर के जरिए चेतावनी देने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव के तहत पैकेट पर लाल रंग के हेक्सागोनल आकार के निशान में ‘ज्यादा चीनी’, ‘ज्यादा नमक’, ‘ज्यादा फैट’ या ‘बहुत ज्यादा मीठा पेय’ जैसी चेतावनी दी जाएगी। इसे दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव है।पहले चरण में चेतावनी उन उत्पादों पर लागू होगी, जिनमें मिलाई गई चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट में से कम से कम दो चीजें तय सीमा से ज्यादा हों। कुछ मीठे पेय भी इसके दायरे में आएंगे।वहीं, अगर किसी उत्पाद में इन तीन में से सिर्फ एक चीज ज्यादा है, तो प्रस्ताव के दूसरे चरण तक उस पर चेतावनी लेबल नहीं लगाने की बात कही गई है। उपभोक्ता चाहते हैं हर ज्यादा मात्रा की जानकारीसर्वे में शामिल ज्यादातर उपभोक्ताओं ने इस व्यवस्था से असहमति जताई। उनका कहना था कि किसी उत्पाद में सिर्फ चीनी, नमक या फैट में से एक की मात्रा भी ज्यादा है तो इसकी जानकारी पैकेट पर साफ तौर पर दी जानी चाहिए।

कांग्रेस सरकार ने वेल्हारी में भाजपा की रैली को नहीं दी अनुमति, कर्नाटक में गरमाई राजनीति

वेल्हारी/ जीएनएस। कर्नाटक के वेल्हारी में प्रशासनिक अधिकारियों ने यहां सैकड़ों प्री-यूनियनलिस्ट कालेज के मैदान में 10 सितंबर को भाजपा की जनसभा की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह बैकूट कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार और विफलताओं के खिलाफ 10 दिन की पदयात्रा के समापन के अवसर पर आयोजित की जा रही थी। प्रदेश भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जिला अधिकारियों पर कांग्रेस सरकार का दबाव है, जिसके कारण अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने 2015 के एक सरकारी आदेश का हवाला



देते हुए कहा कि सरकारी प्री-यूनियनलिस्ट कालेजों के मैदान और भवनों को निजी संगठनों या सशंको को सार्वजनिक या निजी समारोहों, प्रदर्शनों, बिक्री स्टाल, मनोरंजन कार्यक्रमों और अन्य ऐसे आयोजनों के लिए प्रदान नहीं किया जा सकता। भाजपा की वेल्हारी चलो पदयात्रा, जो एक सितंबर को रायचूर जिले के लिंगासपुर से शुरू हुई थी,

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

17 वर्षों से निरंतर....

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

सुविचार

सिर्फ जरूरतें पूरी

करना ही जिंदगी

नहीं है, कुछ

ख्वाहिशों के साथ

जीना भी जिंदगी है

उज्जैन, गुरुवार 10 सितम्बर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

जिम्मेदारों पर कठोरतापूर्वक कार्रवाई की जाए सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर जिले में अवैध शराब से हुई लोगों की मृत्यु पर व्यक्त किया शोक

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब से लोगों की हुई मृत्यु के प्रकरण में कठोरतापूर्वक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाए। जिले में नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जाए जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब सामग्री को जब्त करने की कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज सागर के बुन्देलखंड मेडिकल चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य शासन अपराध और असामाजिक गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले के साथ-साथ आस-पास और सीमावर्ती क्षेत्रों में गहन जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा जहाँ कहीं भी शंका या संदिग्ध गतिविधि की गुंजाइश हो, वहाँ



तत्परता से पड़ताल की जाए और सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को कहा कि पूरी प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने कहा अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि किसी निर्दोष के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो। अफवाह फैलाने वालों पर करे सख्त कार्रवाई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शांति एवं

सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से सोशल मीडिया या अन्य विभिन्न माध्यमों पर अनावश्यक अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर पैनी नजर रखने और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। समाज को साथ लेकर चलेगा नशा विरोधी अभियान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नशा विरोधी अभियान को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। साथ

ही, नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को साथ लेकर जनजागरूकता और नशा मुक्ति के प्रभावी कार्यक्रम संचालित किए जाएं। प्रदेश में कठोर कानून का है प्रावधान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार के रहते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के समय कठोर कानून बनाया गया कि इसमें धारा 49 और बाकी 304 जोड़ते हुए हत्या से लेकर आजीवन कारावास और फांसी तक की सजा देने का प्रावधान है। इस प्रकार की घटना में लिस है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। हमने प्रशासन को फ्री हैंड दिया है कि वह उस पर कठोर से कठोर कार्रवाई करें, जिनके अवैध अतिक्रमण हैं या अलग से किसी ने इस प्रकार से अपना साम्राज्य चलाया है, उस पर भी काम करें।

नशा मुक्ति के लिए सबको मिलकर प्रयास करने की जरूरत-हमने पूरे राज्य में निर्देश जारी किए हैं कि नशा मुक्ति अभियान चलाने के लिए धार्मिक संस्थाओं के साथ, सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ अलग-अलग स्तर पर शासन की ओर से भी नशा मुक्ति के अभियान चलाने की आवश्यकता है। हम सबको इससे

निपटने के लिए सामाजिक स्तर पर भी प्रतिबद्धता की जरूरत पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने अस्पताल के वाडों में जाकर जाना बंडा के प्रभावितों का हाल, परिजन को बंधाया ढाँढस- बंडा के अवैध शराब मामले के प्रभावितों को त्वरित राहत देने और उनका ढाँढस बंधाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के वाडों में जाकर भर्ती मरीजों का कुशलक्षेम जाना और पीड़ित परिवारों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने परिजन से कहा कि सरकार हर स्थिति में आपके साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रत्येक मरीज के पास जाकर उनके स्वास्थ्य की स्थिति देखी। पीड़ितों के परिजनों से पूछा-परिवार में कौन-कौन है? चिंता मत करिए, सरकार हर स्थिति में आपके साथ खड़ी है।- निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बीएमसी के प्रभारी डीन, अधीक्षक और वरिष्ठ चिकित्सकों से पीड़ितों को सर्वोत्तम इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवश्यक दवाओं, टेस्ट और विशेषज्ञों की तैनाती 24 घंटे सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

विनेश फोगाट पहुंची दिल्ली हाई कोर्ट, विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ट्रायल में हिस्सा लेने की मांगी अनुमति



गुरुवार को होगी। लॉरिब तयाचिका पर दाखिल की गई अर्जी- फोगाट ने अपनी एक लंबित याचिका पर यह नई अर्जी दाखिल की है। नई दिल्ली/ जीएनएस। 2026 सोनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति की मांग करते हुए ओलंपियन विनेश फोगाट ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अधिकवाका को मामले पर निर्देश लेने को कहा। मामले पर अगली सुनवाई

गुरुवार को होगी। लॉरिब तयाचिका पर दाखिल की गई अर्जी- फोगाट ने अपनी एक लंबित याचिका पर यह नई अर्जी दाखिल की है। नई दिल्ली/ जीएनएस। 2026 सोनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति की मांग करते हुए ओलंपियन विनेश फोगाट ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अधिकवाका को मामले पर निर्देश लेने को कहा। मामले पर अगली सुनवाई

सड़क पर छूट गया 2 लाख का मैकबुक, कैसे पहुंचा मालिक तक? ईमानदारी की मिसाल का वीडियो वायरल

बेंगलुरु/ जीएनएस। कहते हैं कि दुनिया में आज भी ईसानियत जिंदा है और बेंगलुरु की एक हालिया घटना इस बात को पूरी तरह साबित करती है। बारिश की एक रात में हार्षित सुरेखा नाम के एक यात्री का लगभग 2 लाख रुपये की कीमत वाला मैकबुक और अन्य सामान से भरा बॉक्स सड़क पर कहीं खो गया था।



लेकिन एक ईमानदार ई-रिक्शा चालक की बदौलत उनका कीमती सामान सुरक्षित वापस मिल गया, जिसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा कि क्या आप कर्मा पर विश्वास करते हैं? समझिए क्या है पूरा मामला- बता दें कि यह घटना तब हुई जब मूल रूप से बिहार के रहने वाले हार्षित सुरेखा बेंगलुरु में रात करीब 10 बजे जिम से अपने घर लौट रहे थे। उस

समय बेंगलुरु में तेज बारिश हो रही थी और हार्षित को अगले दिन एक यात्रा पर जाना था, इसलिए वे जल्दी में थे।

घर पहुंचने पर जब उन्होंने बाइक से उतरकर देखा, तो उनके होश उड़ गए। बाइक के पीछे बंधा हुआ सामान का बॉक्स गायब था। उस बॉक्स के अंदर उनका लगभग 2 लाख रुपये का मैकबुक और अन्य जरूरी सामान था। हार्षित के मुताबिक, वह मैकबुक उनके लिए एक पर्सनल डायरी की तरह था। खोए हुए सामान के गम में हार्षित ने तुरंत बारिश के बीच उसी रास्ते पर 3-4 किलोमीटर तक तलाश की। उन्होंने रास्ते में लोगों से भी पूछा। आखिरकार उन्हें एक सुरोग मिला कि वह बॉक्स एक जगह गिरा था जिसे एक ई-रिक्शा चालक ने उठाया है।

बंगाल-असम समेत पांच राज्यों के चुनाव के लिए BJP को मिला 1473 करोड़ रुपये का फंड, EC को सौंपा खर्च का ब्योरा

नई दिल्ली/ जीएनएस। चुनाव आयोग को सौंपे गए चुनावी खर्च के ब्योरे के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कुल 1,472.8 करोड़ रुपये मिले। 15 मार्च, 2026 को पार्टी का बैलेंस 6,722.6 करोड़ रुपये था, जो 6 मई, 2026 को चुनाव खत्म होने पर बढ़कर 7,627.2 करोड़ रुपये हो गया। बीजेपी ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर कुल 160 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें पार्टी का केंद्रीय मुख्यालय और संबंधित राज्य और जिला इकाइयां भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा किस राज्य में किया खर्च-



बीजेपी ने सबसे ज्यादा 96.3 करोड़ रुपये असम में खर्च किया। इसके बाद तमिलनाडु (51.6 करोड़ रुपये) और पुडुचेरी (11.9 करोड़ रुपये) का नंबर आता है। पार्टी के आम प्रचार पर लगभग 130.4 करोड़ रुपये खर्च

किए गए, जबकि 29.6 करोड़ रुपये उम्मीदवारों को एकमुश्त भुगतान और उनके आपराधिक रिकॉर्ड के प्रचार पर खर्च हुए। पश्चिम बंगाल और केरल के चुनाव खर्च के आंकड़े चुनाव आयोग ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किए हैं। असम के लिए बीजेपी के चुनाव खर्च के आंकड़ों के अनुसार, पार्टी ने आम प्रचार पर 76.7 करोड़ रुपये खर्च किए। इसमें पार्टी की केंद्रीय इकाई द्वारा खर्च किए गए 23.1 करोड़ रुपये और उम्मीदवारों पर खर्च किए गए 19.5 करोड़ रुपये शामिल हैं।

असम में स्टार प्रचारकों की यात्रा पर 27.3 करोड़ रुपये, विज्ञापनों पर 37 करोड़ रुपये, प्रचार सामग्री पर 8.9 करोड़ रुपये और राज्य इकाई द्वारा अन्य खर्चों पर 2.3 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उम्मीदवारों को कुल 19.4 करोड़ रुपये का एकमुश्त भुगतान किया गया और उनके आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने पर 16.7 लाख रुपये खर्च किए गए।

तमिलनाडु में बीजेपी ने आम पार्टी प्रचार के लिए कुल 44.5 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी दी थी। उम्मीदवारों पर 7 करोड़ रुपये और खर्च किए गए। इन्हीं चुनावों के लिए पहले जारी किए गए खर्च के ब्योरे में कांग्रेस ने कुल 248.6 करोड़ रुपये खर्च होने की जानकारी दी थी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इंदौर जिले के वरिष्ठ नागरिकों को काशी- गया धाम की यात्रा करायी जायेगी

योजना का लाभ लेने के लिए वरिष्ठ नागरिक 23 सितम्बर 2026 तक कर सकते हैं आवेदन जमा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए आस्था, सम्मान और सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के पात्र वरिष्ठ नागरिक जो 60 वर्ष या अधिक आयु के हैं और आयकरदाता नहीं हैं, को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की निःशुल्क यात्रा कराई जा रही है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत इंदौर जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए काशी (वाराणसी)-गया धाम तीर्थ यात्रा आयोजित की जा रही है। यह यात्रा 04 अक्टूबर 2026 को विशेष ट्रेन से प्रारंभ होगी। यात्रा में इंदौर जिले के साथ ही बड़वानी और आलीराजपुर जिले के वरिष्ठ नागरिक शामिल होंगे। योजना के तहत तीर्थयात्रियों का दल रविवार, 4 अक्टूबर को इंदौर से रवाना होगा

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के विক্রय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध सतत अभियान संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत आज 09 सितंबर बुधवार सुबह मुखबिर की सूचना के आधार पर महगांव की सुपरसिटी कॉलोनी शांति नगर में स्थित मकान नंबर 28छ की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मौके से कुल लगभग 234 बल्क लीटर अवैध मदिरा जिसमें 11 मसाला एवं 15 प्लेन पेटी मदिरा बरामद की गई, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.17 लाख रुपये है। बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिक्री हेतु थी। उक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री पवन टीकेकर, श्रीमती निधि शर्मा एवं आबकारी उपनिरीक्षक श्री जयेश वास्केल एवं उनकी टीम द्वारा की गई। जिला आबकारी विभाग इंदौर द्वारा बताया गया कि अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध अभियान निरंतर एवं प्रभावी रूप से जारी रहेगा।

जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी वीरेन्द्र बघेल की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त

दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही तथा बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण की गई कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा परियोजना अधिकारी (सविदा) श्री वीरेन्द्र बघेल की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। यह कार्रवाई सविदा सेवा शर्तों के उल्लंघन, शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही तथा बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण की गई है।

जारी आदेश के अनुसार आयुक्त, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल के आदेश के तहत श्री वीरेन्द्र बघेल को जिला पंचायत अलीराजपुर से जिला पंचायत इंदौर में परियोजना अधिकारी (सविदा) के पद पर कार्य करने के लिए आदेशित किया

गया था। उन्होंने 11 अक्टूबर 2022 को जिला पंचायत इंदौर में उपस्थिति दी थी। वर्ष 2024-25 में मनरेगा अंतर्गत निर्धारित लेबर बजट को शत-प्रतिशत पूर्ण नहीं किया जा सका। साथ ही श्री बघेल द्वारा सौंपे गए शासकीय दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता एवं लापरवाही बरती गई। इसके अतिरिक्त वे 24 मार्च 2025 से बिना सूचना के कार्यालय में लगातार अनुपस्थित रहे।

लगातार अनुपस्थिति के संबंध में कार्यालय द्वारा उन्हें कई बार कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए और अपना पक्ष रखने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए। उनके द्वारा स्वास्थ्य खराब होने का उल्लेख करते हुए जवाब प्रस्तुत किया गया, लेकिन आवश्यक चिकित्सा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। बाद में भी

होना आवश्यक है तथा वह आयकरदाता नहीं होता। इस यात्रा के लिए 156 सीटें आरक्षित की गई हैं। यात्रियों के साथ 4 से 5 अनुरक्षक भी यात्रा में शामिल रहेंगे। यात्रा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है।

आवेदन पत्र नगर निगम के झोनल कार्यालय, नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत कार्यालय इंदौर, सावेर, महु और देपालपुर से निःशुल्क प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी भरकर इन्हीं कार्यालयों में वापस जमा करना होगी। 23 सितम्बर 2026 को शाम 5-30 बजे के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा पात्र वरिष्ठ नागरिकों से निर्धारित समयावधि में आवेदन जमा करने की अपील की गई है।

योजना के अंतर्गत केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिक ही पात्र होंगे। आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक

होना आवश्यक है तथा वह आयकरदाता नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आवेदक पूर्व में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर चुका हो। योजना के नियमों के अनुसार किसी व्यक्ति को जीवनकाल में केवल एक बार ही इस योजना का लाभ दिया जाएगा।

यात्रा के लिए चयनित व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए तथा किसी गंभीर संक्रामक रोग, हृदय संबंधी जटिल बीमारी, टीबी अथवा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित नहीं होना चाहिए। यदि आवेदन में गलत जानकारी अथवा तथ्य विधान की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित किया जा सकेगा।

योजना में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे आवेदकों को अकेले यात्रा करना चाहते हैं , उन्हें निर्धारित शर्तों के अनुसार एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता

आयुक्त ने मालवा मिल, रामबाग और रीजनल पार्क मुक्तिधाम का किया निरीक्षण, लापरवाही पर वेतन काटने के निर्देश

मुक्तिधामों में सफाई, पेयजल और नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार सुबह मालवा मिल, रामबाग एवं श्री अटल बिहारी वाजपेयी क्षेत्रीय उद्यान के पास स्थित मुक्तिधाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री मनोज पाठक, श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मालवा मिल मुक्तिधाम के निरीक्षण के दौरान परिसर में लीटरबिन नहीं मिलने के साथ ही कचरा और गंदगी पाए जाने पर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने जोन क्रमांक 3 के सीएसआई राम लोवंशी और वाई क्रमांक 56 के दरोगा वीरेन्द्र लाहोरिया का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। वहीं मुक्तिधाम के सुपरवाइजर का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

रामबाग मुक्तिधाम के बाहर एग्रीच रोड पर कचरा और गंदगी मिलने पर सीएसआई एवं दरोगा का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। मुक्तिधाम परिसर में पर्याप्त सफाई व्यवस्था



नहीं मिलने पर सुपरवाइजर का सात दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। इसके बाद आयुक्त ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी क्षेत्रीय उद्यान के सामने स्थित खाली प्लॉट का निरीक्षण किया, जहां कचरा प्याईट बना हुआ था। उन्होंने तत्काल सफाई कराने और क्षेत्र की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री सिंघल ने सभी मुक्तिधामों में नियमित और पर्याप्त सफाई व्यवस्था के साथ पेयजल तथा नागरिकों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतिम संस्कार में उपयोग होने वाली लकड़ी और

बीच शहर में बड़ी कार्रवाई: कान्ह नदी किनारे 50 से अधिक अवैध दुकानें हटाई

लगभग 100 करोड़ रुपए मूल्य की दो एकड़ बेशकीमती शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त, नदी के प्राकृतिक बहाव में भी हो रहा था अवरोध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं नगर निगम ने बुधवार को संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के बीचों-बीच कान्ह नदी के किनारे स्थित 100 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। साउथ तोड़ा क्षेत्र में नदी किनारे अवैध रूप से बनाई गई 50 से अधिक दुकानों को हटाने की कार्रवाई की गई। इन दुकानों में छोटे-छोटे कारखाने (लोहे की सामग्री बनाने के) भी बिना अनुमति के चल रहे थे।

एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि साउथ तोड़ा क्षेत्र में कान्ह नदी के किनारे लगभग दो एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध रूप से दुकानें निर्मित कर अतिक्रमण किया गया था। इन दुकानों के कारण नदी के प्राकृतिक बहाव में भी अवरोध उत्पन्न हो रहा था। जिला प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी अतिक्रमण हटाए और बेशकीमती शासकीय भूमि को अपने कब्जे में



लिया। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के बाद नदी क्षेत्र को व्यवस्थित एवं विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। कान्ह नदी के इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा, जिससे नदी का स्वरूप निखरेगा और क्षेत्र को बेहतर एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

कान्ह नदी किनारे 7 मकान और 45 से अधिक कारखाने हटाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा कान्ह नदी किनारे किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बुधवार को नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने साउथ तोड़ा क्षेत्र में विद्या गौड़ धर्मशाला से सेंट अबू स्कूल तक नदी किनारे 30 मीटर की परिधि में स्थित 7 मकानों और 45 से अधिक कारखानों को हटाने की कार्रवाई की। नगर निगम के अनुसार, संबंधित मकान मालिकों और कारखाना संचालकों को पूर्व में सूचना पत्र जारी कर सुनवाई का अवसर दिया गया था। इसके बाद भी निर्माण नहीं हटाए जाने पर 24 घंटे पूर्व दोबारा नोटिस दिए गए। कार्रवाई से एक दिन पहले क्षेत्र में मुनादी भी कराई गई थी। पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद निर्माण नहीं हटाए जाने पर बुधवार को नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एसडीएम श्री घनश्याम धनगर, भवन अधिकारी श्री कब्बेश बरथरिया, श्री राहुल खुवंशी, श्री गीतेश तिवारी, भवन निरीक्षक श्री अभिनव राय, रिमूवल सुपरवाइजर श्री बबलू कल्याण सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नमो हरित नगर वन के लिए जल्द तैयार होगी डीपीआर, नहर भंडारा की पाल पर लगेंगे हजारों बांस के पौधे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में हरियाली बढ़ाने और नदी किनारे के क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा पौधारोपण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बुधवार को चोइथराम अस्पताल के सामने स्थित शासकीय भूमि और नहर भंडारा की पाल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, उद्यान अधिकारी श्री शांतिलाल यादव, संबंधित जोन के जोनल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। चोइथराम अस्पताल के सामने स्थित शासकीय भूमि के निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने अपर आयुक्त श्री श्रृंगार श्रीवास्तव को उक्त भूमि पर नमो हरित नगर वन विकसित करने के लिए विस्तृत डीपीआर शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। डीपीआर तैयार होने के बाद इस भूमि पर व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही आयुक्त ने नहर भंडारा की पाल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पाल पर हजारों की संख्या में बांस के पौधे लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार, बांस के पौधे लगाए जाने से नदी किनारे की पाल को कटाव से बचाने में मदद मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में हरियाली का विस्तार होगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। नगर निगम द्वारा दोनों स्थानों पर पौधारोपण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

आईडीए ने पुलिस से पूछा क्या जगह दे दें, नगर निगम ने भी किया इनकार...

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने पुलिस उपायुक्त को पत्र लिखकर पूछा है कि राहुल गांधी के आयोजन के लिए कांग्रेस को मैदान आवंटित किया जाए या नहीं? 19 सितंबर को होने वाले छत्रों की गूंज के लिए कांग्रेस ने आईडीए को लिखित आवेदन देकर रीजनल पार्क के सामने स्थित मैदान पांच दिन के लिए आवंटित करने की मांग की है। आईडीए की ओर से मंगलवार को लिखा गया पत्र लौक हो गया है। इस पर कांग्रेस ने भी सवाल खड़ा किया है और सरकार का दबाव व डर का असर बताया है।

एमडी ड्रस तस्करी मामले में पूर्व के प्रकरण के सह-आरोपी चेतन कुमावत को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर ने एमडी ड्रस तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे सह-आरोपी चेतन कुमावत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 8 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया। मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी से 25.02 ग्राम एमडी ड्रस और एक स्ट्रैण्डर मोटरसाइकिल जब्त की गई थी।

पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम ने पशवर्धन मार्ग स्थित सुरेश कॉम्प्लेक्स के पास राबवंडी कर आरोपी पृथम शाक्तवत को 25.02 ग्राम एमडी ड्रस के साथ गिरफ्तार किया था। जब्त एमडी ड्रस की अनुमानित कीमत 2.50 लाख रुपये और स्ट्रैण्डर मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये थी। इस कार्रवाई में कुल करीब 3 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया था। आरोपी पृथम शाक्तवत के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच इंदौर में अपराध क्रमांक 124/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान मामले में चेतन कुमावत की सलिप्तता सामने आई, जिसके बाद प्रकरण में धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा लगातार पतारसी करते हुए फरार आरोपी चेतन कुमावत को 8

साथ गिरफ्तार किया था। जब्त एमडी ड्रस की अनुमानित कीमत 2.50 लाख रुपये और स्ट्रैण्डर मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये थी। इस कार्रवाई में कुल करीब 3 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया था।

आरोपी पृथम शाक्तवत के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच इंदौर में अपराध क्रमांक 124/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान मामले में चेतन कुमावत की सलिप्तता सामने आई, जिसके बाद प्रकरण में धारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा किया गया।

क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा लगातार पतारसी करते हुए फरार आरोपी चेतन कुमावत को 8

सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी चेतन कुमावत सावेर का निवासी है और वर्तमान में रावजी बाजार, इंदौर में रह रहा था।

पुलिस द्वारा आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क, खरीदारों और अन्य सप्लायरों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पूछताछ से प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले में अन्य सलिप्त व्यक्तियों और मादक पदार्थों के नेटवर्क के संबंध में आगे की विवेचना की जा रही है।

इस कार्रवाई में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश, पुलिस उपायुक्त अपराध के मार्गदर्शन तथा क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच इंदौर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अधिकारी पर जिस दिन दर्ज हुआ था आय से अधिक संपत्ति का केस, 24 साल बाद उसी तारीख को मिली सजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में कार्यपालन यंत्री रहे कैलाशचंद्र परवाल को कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में 5 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। इस मामले में सबसे रोचक बात यह है कि परवाल के खिलाफ 24 साल पहले 8 सितंबर

2002 में आय से अधिक संपत्ति के मामले में केस दर्ज किया गया था। अब 8 सितंबर 2026 को कोर्ट ने इसी तारीख को उन्हें सजा सुनाई। रिश्तत लेते हुए पकड़ा था- तत्कालीन कार्यपालन यंत्री कैलाशचंद्र परवाल को 6 सितंबर 2002 को 50 हजार रुपये की रिश्तत लेते हुए रोहवाथें पकड़ा गया था। इसके बाद लोकायुक्त की टीम ने इनकी संपत्ति की जांच की जिसमें सामने

आया कि अधिकारी ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। आय थी 34 लाख और संपत्ति एक करोड़ से ऊपर- जांच में यह भी सामने आया है कि परवाल ने अपनी नौकरी के दौरान 34.64 लाख रुपये की आय की थी। उनकी संपत्ति की जांच के दौरान पता चला कि उनके पास एक करोड़ रुपये से ऊपर की संपत्ति है।

महिला मोर्चा की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रेष्ठ जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल ने संभाला दायित्व

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कार्यालय में बुधवार शाम आयोजित कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल ने अपना दायित्व ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री कविता पाटीदार, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक महेश पालीवाल और पूर्व नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दायित्व ग्रहण करने से पहले महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल ने भाजपा कार्यालय



स्थित पार्टी के पितृ पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री कविता पाटीदार ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां महिलाओं को सम्मान और नेतृत्व के अवसर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हैं। इंदौर में सुमित्रा महाजन ने लगातार आठ बार एक ही लोकसभा सीट से जीतकर रिकॉर्ड बनाया और भाजपा ने उन्हें सम्मान देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से संसद एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे नियंत्रण महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में महिला मोर्चा सक्रिय भागीदारी निभाएगा।

प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे ने कहा कि भाजपा संगठन को राजमाता सिंधिया और सुमित्रा महाजन सहित अनेक मातृशक्ति ने अपने परिश्रम से मजबूत किया है। महिला मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है और उसके सामने आधी आबादी का नेतृत्व करने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले नगर निगम, लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए

महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक पहुंचकर अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ना होगा।

नगर प्रभारी राजेश सोलंकी ने कहा कि महिला मोर्चा की जिम्मेदारी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की आधी आबादी महिलाओं की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं तक पहुंचकर उन्हें संगठन से जोड़ना, संगठन का विस्तार करना और केंद्र सरकार की महिला हितैषी योजनाओं का बूथ स्तर तक प्रचार-प्रसार करना मोर्चा का प्रमुख दायित्व है।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि इंदौर महिला मोर्चा ने लंबे समय से संगठन में अपनी एक अलग परंपरा कायम की है। सुमित्रा महाजन से लेकर शैलजा मिश्रा तक महिला मोर्चा ने संगठन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रेष्ठ जोशी के नेतृत्व में महिला मोर्चा और अधिक सशक्त होगा।

आस्था पर प्रहार, देवस्थान की जमीन पर बेदखली

आदेश के बाद भी दोबारा कब्जा, भड़के ग्रामीण

भगवान देवनारायण की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर तहसीलदार को फिर सौपा ज्ञापन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील क्षेत्र के ग्राम अरनिया में भगवान देवनारायण के नाम दर्ज शासकीय देवस्थान भूमि पर भू-माफियाओं के अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। बुधवार को बड़ी संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचे अरनिया वासियों ने सिंगोली तहसीलदार को एक तीखा ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने दोटुक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि न्यायालय के आदेश का मखौल उड़ाने वाले अतिक्रमणकारियों को तुरंत बेदखल नहीं किया गया, तो पूरा गांव सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।कागजों में सिमटा कोर्ट का आदेश, पटवारी की भूमिका पर उठे सवालग्रामीणों ने प्रशासनिक



कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए बताया कि मौजा ग्राम अरनिया में स्थित सर्वे क्रमांक 455 (रकबा 0.209 हेक्टेयर) और 456 (रकबा 0.293 हेक्टेयर)

शासकीय रिकॉर्ड में भगवान देवनारायण के नाम दर्ज है, जिसके अधिकृत पुजारी प्यारचंद दरोगा हैं। पूर्व में इस बेशकीमती भूमि पर शिक्षक सोहनलाल धाकड़ ने अवैध कब्जा कर लिया था, जिसे हटाने के लिए बाकायदा न्यायालय द्वारा बेदखली आदेश पारित किया गया था। लेकिन,

साजिश! ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन द्वारा की गई कागजी खानापूतं और मौका पंचनामा की आड़ लेकर एक नई साजिश रची गई। इसके तहत दाखी बाई बलाई द्वारा उक्त देवस्थान की भूमि पर जबरन फसल बोक़र पुनः नया अतिक्रमण कर लिया गया। शासन द्वारा नियुक्त वैध पुजारी आज भी अपने हक और भगवान की भूमि का कब्जा प्राप्त करने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

ज्ञापन में ग्रामीणों की 3 प्रमुख मांगें-

तत्काल कब्जा मुक्ति- अवैध अतिक्रामक दाखी बाई को प्रशासनिक बल के साथ मौके से हटाकर नियुक्त पुजारी प्यारचंद दरोगा को भूमि का वास्तविक भौतिक कब्जा दिलाया जाए।

लगे भारी जुर्माना-देवस्थान की भूमि का व्यावसायिक व निजी इस्तेमाल करने वाले बेदखलदारों से अब तक की अवधि का भारी जुर्माना (हजारी) वसूल किया जाए। भेजे सिविल जेल न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने और सरकारी जमीन हड़पने के जुर्म में भारतीय न्याय संहिता और मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता के तहत एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को सिविल जेल भेजा जाए।

इनका कहना- मामला सज़ान में आया है। शासकीय व देवस्थान की भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

-ऋषभ कुमार ठाकुर, तहसीलदार, सिंगोली

पिपलियामंडी पुलिस को दोहरी सफलता, 3 शांतिर नकबजन गिरफ्तार, 88 हजार का मरहूका बरामद



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नकबजनी और वाहन चोरी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए 3 आदतन शांतिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक रैफ़िजरेटर, एयर कूलर, गैस चूल्हा, सिलेंडर और 15 हजार नगद, घरेलू सामान, नगदी और चोरी की बाइक सहित करीब 88 हजार 500 रुपये का मरहूका बरामद किया गया है। एसपी विनोद कुमार मीना के निर्देश पर चलाए जा रहे संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

एसपी तेर सिंह बघेल और एसडीओपी मल्हारगढ़ पिन्टू कुमार बघेल के निर्देश में थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने की टीम और सायबर सेल ने मिलकर आरोपियों को पकड़ा। पहला मामला 19 जनवरी को सामने आया था। बालगुड़ा निवासी अनिरुद्ध पाटीदार की हीरो होंडा बाइक चोरी हो गई थी। दूसरा मामला 20 जून का है, खंखरई गांव में अंजना कुंवर के सूने मकान का ताला तोड़कर करीब 70 हजार के सोने-चांदी के जेवर, घरेलू सामान और नगदी चोरी हुई थी। दोनों मामलों में केस दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। 10 आपस्त को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने डकैती की योजना बनाते हुए तीन बदमाशों को पकड़ा था। पोर्टल पर रिकॉर्ड खंगालने पर तीनों आदतन अपराधी निकले। सख्ती से पूछताछ में उन्होंने पिपलियामंडी क्षेत्र में चोरी की वारदातें कबूल की। कोर्ट से रिमांड लेकर पूछताछ के बाद उनकी निशादेही पर चोरी का सामान बरामद हुआ। मामले में प्रदीप पिता गेंदालाल करमावत (38) निवासी पिपलियारूंडी, मनासा, नीमच - 18 अपराध दर्ज, मनीष पिता हेमंत बाछड़ा (24) निवासी बडीया, मनासा, नीमच - 13 अपराध दर्ज, नारायण पिता सीताराम करमावत (40) निवासी पिपलियारूंडी, मनासा - 6 अपराध दर्ज है।

500 त्वाटर में कांग्रेस विधायक जैन ने लगाई चौपाल, 5 लाख के टीनशेड और हार्डमार्स्ट लाइट की घोषणा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस विधायक विपिन जैन बुधवार शाम टिगरिया के 500 क्वार्टर पहुंचे। यहां उन्होंने चौपाल लगाकर रहवासियों की समस्याएं सुनीं। गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर अपनी परेशानियां रखीं, जिस पर कांग्रेस विधायक ने कई घोषणाएं कीं। रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में अधिकांश परिवार मजदूरी करने वाले हैं।

सामाजिक और मांगलिक आयोजनों के लिए बाहर धर्मशाला का खर्च वहन करना मुश्किल है। इस पर कांग्रेस विधायक जैन ने विधायक निधि से 5 लाख रुपए की लागत से टीनशेड बनाने की घोषणा की। साथ ही अंधेरे से निजात के लिए 2 हार्डमार्स्ट लाइट लगाने की बात भी कही। रहवासियों ने बताया कि 2016 में आवास मिलने के बाद से पानी के बिल जमा हो रहे हैं, अब मोटी रकम के बिल भेजाए जा रहे हैं।

बिल माफ़ी की मांग पर कांग्रेस विधायक ने अधिकारियों से बात कर निराकरण का भरोसा दिया। रहवासियों ने बताया कि यहां एकमात्र सरकारी प्राथमिक स्कूल 5वीं तक ही है। बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए दूर जाना पड़ता है। इसे 8वीं तक करने की मांग पर कांग्रेस विधायक ने शासन स्तर पर प्रयास का आश्वासन दिया। रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में चोरी की वारदातें बढ़ने पर लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। कांग्रेस विधायक ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कराने का भरोसा दिलाया। कांग्रेस विधायक जैन ने कहा-जनप्रतिनिधि का काम जनता के बीच जाकर उनकी समस्या सुनना और समाधान करना है। उन्होंने लोगों से नदी-तालाबों में कचरा न डालने और जलस्रोतों को साफ रखने की अपील भी की।

एक रात में 10 विद्युत मोटर चोरी, किसानों में आक्रोश, सरपंच बोले, चोर नहीं पकड़े तो होगा आंदोलन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम काचरिया चन्द्रावत में खेतों में अपने किसानों के खेतों से एक ही रात में करीब 10 विद्युत मोटर एवं बड़ी मात्रा में केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाशों ने 8-9 सितम्बर की दरर्यानी रात अलग-अलग किसानों के खेतों को निशाना बनाया और कुओं पर लग्गी मोटरों को निकालकर तथा विद्युत केबल काटकर फरार हो गए।

सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को मोटर एवं केबल गांवब मिली तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया। एक साथ संख्या में मोटर चोरी होने से किसानों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार चोरी गई मोटरों में करीब 3 एवं 5 हॉर्स पावर क्षमता की मोटरें शामिल हैं। किसानों के मुताबिक प्रत्येक मोटर की कीमत करीब 30 से 35 हजार रुपए है। इसके अतिरिक्त चोरी गई विद्युत केबल से किसानों को अलग अधिक नुकसान हुआ है। मोटर चोरी होने से किसानों के सामने खेतों में सिंचाई की समस्या भी खड़ी हो गई है। घटना में राधेश्याम पिता काशीरामजी मेघवाल, उंकारलाल पिता मांगुजी मेघवाल, गोविन्द पिता बंशीलालजी पोरवाल, श्यामलाल पिता भुवानजी बावरी, राधाकिशन पिता केलाराचंदजी बावरी, रामलाल पिता भुवानजी मेघवाल एवं चंदनसिंह

पिता भुवानीजी बावरी सहित अन्य किसानों के खेतों से मोटर चोरी हुई है। किसानों ने अपने स्तर पर आसपास के खेतों, रास्तों एवं संभावित स्थानों पर चोरी गई मोटरों की तलाश की, लेकिन अभी तक कोई सुरांग नहीं मिला है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 10 दिन पहले गांव में चावली मार्ग पर स्थित विद्युत डीपी से भी करीब 100 लीटर आइल चोरी हो गया था। डीपी में आइल खत्म होने के बाद किसानों ने आपस में रुपए एकत्रित कर नया आइल भरवाया था। अब एक ही रात में कई खेतों से मोटर एवं केबल चोरी होने से ग्रामीणों को क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने इन घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया तो आने वाले दिनों में और भी खेतों को निशाना बनाया जा सकता है। घटना को लेकर सरपंच प्रतिनिधि ईशु धनगर ने पुलिस प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक ही रात में करीब 10 मोटर चोरी होना सामान्य घटना नहीं है। इससे साफ है कि बदमाशों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से किसानों के खेतों को निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस को मामले को गंभीरता से लेते हुए चोरों का पता लगाना चाहिए तथा चोरी गई मोटर एवं केबल बरामद करवानी चाहिए।

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर सरहद पर बसे सिंगोली समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (टाएड) को लेकर सरकार की नीति और नीयत दोनों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक और पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा के प्रयासों से इस अस्पताल को 30 बेड से अपग्रेड कर 50 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल की मंजूरी तो मिल गई है और 15 करोड़ का भारी-भरकम बजट भी प्रस्तावित कर दिया गया है।

लेकिन मैदानी हकीकत का कड़वा विश्लेषण यह है कि स्वास्थ्य विभाग ने यहाँ की 1 लाख जनता को केवल भवन की सौगात थमा दी है, इलाज की नहीं।

आंकड़ों का गणित से ज्यादा स्टाफ गायब, डॉक्टरों की कुर्सियां सूनीं! शासकीय नियमों के अनुसार सिंगोली का यह अस्पताल वर्तमान में 30 बेड के मापदंड पर संचालित है। इसके लिए सरकार ने बकायदा 46 से 52 पदों का पूरा स्टाफ सेटअप स्वीकृत कर रहा है।

कड़वी हकीकत- इस पूरे सेटअप में से वर्तमान में केवल 24 पदों पर ही कर्मचारी नियुक्त और कार्यरत हैं। आधे से अधिक पद खाली पड़े हैं।

डॉक्टरों का टोटल- सबसे बदतर स्थिति डॉक्टरों की है। नियमों के मुताबिक यहाँ 6 विशेषज्ञ डॉक्टर (सर्जन, फिजिशियन, स्त्री रोग,



बाल रोग विशेषज्ञ आदि) और 4 मेडिकल ऑफिसर (कुल 10 डॉक्टर) होने चाहिए। लेकिन वर्तमान में सभी 6 विशेषज्ञों और 2 मेडिकल अफसरों के पद खाली हैं। पूरा अस्पताल सिर्फ 2 डॉक्टरों के भरोसे रेंग रहा है।

दोहरी मार हर दिन 200 की ओपीडी, सरहद पार राजस्थान से भी आते हैं मरीज सिंगोली ब्लॉक की भौगोलिक स्थिति बेहद संवेदनशील है। यह अस्पताल मध्य प्रदेश और राजस्थान के अंतर-राज्यीय मार्ग को छूता है।यहाँ प्रतिदिन 150 से 200 मरीजों की भारी ओपीडी होती है।नीमच जिला मुख्यालय से 80 किमी की भारी दूरी होने के कारण, सिंगोली ब्लॉक की 1 लाख आबादी के साथ-साथ पड़ोसी राज्य राजस्थान के सीमावर्ती गांवों के सैकड़ों गरीब ग्रामीण भी इसी अस्पताल के भरोसे रहते हैं।अंतर-राज्यीय मार्ग होने के कारण यहाँ आए दिन भीषण सड़क हादसे होते हैं,

सांसद सुधीर गुप्ता ने रेलवे स्टेशन पर किए जा रहे विकास कार्यों को परखा, दिए निर्देश

निर्माणार्थीन फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट सहित स्टेशन की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बाहर लगने वाले जाम और पार्किंग को लेकर अधिकारियों को व्यवस्थित प्लान बनाने के निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद सुधीर गुप्ता ने बुधवार को अमृत भारत योजना के तहत मंदसौर रेलवे स्टेशन पर किए जा रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारियों से विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सांसद गुप्ता ने अधिकारियों से निर्माणार्थीन फुट ओवरब्रिज एवं लिफ्ट की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए इन कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए इसमें प्रगति लाने की बात कही।

सांसद गुप्ता ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए आगामी समय में प्लेटफॉर्म नंबर दो पर भी यात्रियों के आवागमन के लिए नया रास्ता तैयार करने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अभी से आवश्यक सुविधाओं की कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। इसके पश्चात सांसद सुधीर गुप्ता ने रेलवे अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं को देखकर उन्होंने संतोष जाहिर किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



स्टेशन के बाहर जाम और पार्किंग को लेकर बनेगा संयुक्त प्लान - रेलवे स्टेशन के बाहर लगातार लगने वाले जाम एवं पार्किंग की समस्या को लेकर भी सांसद गुप्ता ने अधिकारियों के साथ गंभीरता से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्टेशन के बाहर यात्रियों एवं आम नागरिकों को जाम की समस्या से लगातार परेशानी होती है। ऐसे में इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए व्यवस्थित प्लानिंग तैयार कर विभिन्न कार्ययोजनाओं को तत्काल अमल में लाया जाना चाहिए। सांसद गुप्ता ने स्टेशन के बाहर लगातार लग रहे जाम को लेकर आरपीएफ, रेलवे अधिकारियों एवं स्थानीय ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त प्लान तैयार करने पर चर्चा की। इस दौरान

अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में जल्द ही उच्च अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक स्वीकृति प्राप्त की जाएगी तथा इसके बाद कार्ययोजना पर अमल किया जाएगा। सांसद सुधीर गुप्ता ने इस संबंध में डीआरएम से फोन पर भी चर्चा की और यात्रियों को जाम एवं अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या से जल्द राहत दिलाने के लिए प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर एवं सुगम सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

भविष्य की सुविधाओं को लेकर भी रखे कई प्रस्ताव - बैठक के दौरान भविष्य में रेलवे स्टेशन पर आवश्यक सुविधाओं एवं रेलवे की तैयारियों को लेकर भी कई प्रस्ताव रखे गए। सांसद गुप्ता ने अधिकारियों से कहा कि मंदसौर रेलवे स्टेशन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए सभी संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाए और यात्रियों की सुविधा से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। इस अवसर पर सांसद गुप्ता के साथ रेलवे ए.ई.नायर, रतलाम डिविजन के ए.सी.एम., प्रतिनिधि राजदीप परवाल, मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, विनोद डगवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष राम कोटवानी, विक्रम सम्राट, संजय राठौर, पार्षद प्रतिनिधि अनूप मेहेश्वरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माली समाज को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया जल्द पूरी करें प्रशासन : सांसद सुधीर गुप्ता

पशुपतिनाथजी प्रबंध समिति की बैठक संपन्न, मंदिर विकास एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को पशुपतिनाथजी सभागृह में पशुपतिनाथजी मंदिर प्रबंध समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदिर में चल रहे विकास कार्यों तथा विकास के मॉडल को किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है, इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रबंध समिति एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सांसद सुधीर गुप्ता ने सर्वप्रथम पशुपतिनाथजी लोक के निर्माण में सहयोग करने वाले माली समाज को नई जगह देने के लिए प्रशासन से कहा। उन्होंने इस संबंध में जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की बात कही। साथ ही सांसद गुप्ता ने मंदिर परिसर के आसपास स्थित प्राइवेट जमीन को अधिकृत कर, भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए वहां बेड़ स्तर पर पार्किंग की व्यवस्था करने पर जोर दिया।

बैठक में पशुपतिनाथजी मंदिर की वेबसाइट के



नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण पर भी सहमति बनी। सांसद गुप्ता ने नवीन अतिथि गृह के निर्माण से पहले वर्तमान पशुपतिनाथजी अतिथि गृह के रखरखाव तथा उसके निर्माण में की गई अनियमितताओं की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए तीन विभागों के इंजीनियरों की एक कमेट्री गठित कर जांच कराने तथा अतिथि गृह को सुव्यवस्थित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सांसद गुप्ता ने कैफेटेरिया जहां बना है, उस समाज की भूमि को भी अन्य स्थान पर हस्तांतरित करने की बात कही, ताकि भविष्य में सभी समाजों का सहयोग

प्रस्ताव - बैठक के दौरान भविष्य में रेलवे स्टेशन पर आवश्यक सुविधाओं एवं रेलवे की तैयारियों को लेकर भी कई प्रस्ताव रखे गए। सांसद गुप्ता ने अधिकारियों से कहा कि मंदसौर रेलवे स्टेशन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए सभी संभावनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाए और यात्रियों की सुविधा से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। इस अवसर पर सांसद गुप्ता के साथ रेलवे ए.ई.नायर, रतलाम डिविजन के ए.सी.एम., प्रतिनिधि राजदीप परवाल, मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, विनोद डगवाल, पूर्व नपा अध्यक्ष राम कोटवानी, विक्रम सम्राट, संजय राठौर, पार्षद प्रतिनिधि अनूप मेहेश्वरी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंदिर प्रशासन के साथ बना रहे ठ ठ उन्होंने बस स्टैंड के समीप करोड़ों रुपए की मंदिर ट्रस्ट को दान में प्राप्त जमीन पर भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को पूर्ण कर मंदिर प्रशासन उक्त जमीन का मालिकाना हक प्राप्त करे, जिससे मंदिर के लिए भविष्य में एक बड़ा आय का स्रोत स्थापित हो सके। सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदिर की आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंदिर प्रबंधक राहुल रूनवाल से कहा कि आगामी बैठक में सबसे पहले आय-व्यय का पूरा ब्यौरा प्रस्तुत किया जाए। बैठक में सांसद गुप्ता ने पुजारियों के वेतनमान बढ़ाए जाने को लेकर भी चर्चा की। वहीं तापेश्वर मंदिर की फर्श के नवीनीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। मंदिर परिसर में सौर ऊर्जा के स्रोत स्थापित करने पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्यांक सिंह, विधायक विपिन जैन, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर सहित पशुपतिनाथजी मंदिर प्रबंध समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

शासकीय एवं श्मशान भूमि से हटाया गया अतिक्रमण



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में तहसील जावद के ग्राम बरखेड़ा चौहान में

शासकीय एवं श्मशान भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाकर भूमि खाली कराई गई। ग्रामीणों द्वारा शासकीय एवं श्मशान भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी, जावद के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन पर मौजा पटवारी से प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील जावद में प्रकरण क्रमांक 0024/अ-68/2026-27जी दर्ज किया गया। प्रकरण में ग्राम बरखेड़ा चौहान की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 253/1, कुल रकबा 2.260 हेक्टेयर में से 0.300 हेक्टेयर भूमि पर किए गए अतिक्रमण के संबंध में बेदखली आदेश पारित किया गया। आदेश के पालन में 9 सितम्बर को मौजा पटवारी एवं कोटवारी के दल द्वारा कार्यवाही करते हुए श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाया गया तथा भूमि खाली कराई गई।

आबकारी विभाग ने विभिन्न स्थानों पर अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही कर महुआ लाहन, कच्ची व विदेशी शराब की जप्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आबकारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि आबकारी विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए दंडित में ग्राम डीगांवमाली स्थिति डेरे में सघन तलाशी लेकर झाड़ियों से 1800 किलो महुआ लाहन जप्त किया व एक आरोपी शायरा पति भारत से12 लीटर हाथभट्टी कच्ची शराब जप्त की। वहीं मंदसौर सीतामऊ मार्ग पर स्थित होटल ढाबों जिसमें दरबार 50 पारब,अपना ढाबा आदि की तलाशी ली गई। मंदसौर कृषि मंडी रोड से एन दाव देसी मंदिर व 10 केन बीयर जप्त की गई वहीं मंदसौर स्थित घंटाघर सिटी कोतवाली के सामने महवीर भोजनालय संचालक अनीश पिता रमेश चंद्र जैन से छोटी बड़ी कुल 11 बोतल विदेशी मदिरा बरामद की गई। कार्यवाही में आरोपियों व अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की धारा 34(1) (क),(च) के तहत 05 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिये गये। अवैध रूप से मदिरा की बिक्री, परिवहन, संग्रहण आदि पर रोक लगाने हेतु आबकारी विभाग की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

ओम बड़ोदिया ने मूक पशु के प्रति दिखाई संवेदना- सड़क दुर्घटना में मृत ऊंट का विधि-विधान से किया अंतिम संस्कार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ फाटक स्थित ब्रिज पर एक दुखद सड़क दुर्घटना में एक ऊंट की असमय मृत्यु हो गई। राजस्थान के रेबारी समाज के लोग अपने ऊंटों को लेकर ब्रिज से गुजर रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक वाहन की तेज गति देखकर ऊंट अचानक घबरा गया और संतुलन बिगड़ने के कारण ब्रिज से सीधे नीचे जा गिरा। अत्यधिक ऊंचाई से गिरने तथा गंभीर चोटों आने के कारण लम्बी मौत पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही निरंतर मूक पशु-पक्षियों की सेवा और संरक्षण में लगे गौ आरोग्य सेवा समिति के अध्यक्ष ओम बड़ोदिया तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति की संवेदनशीलता को समझते हुए बिना किसी देरी के राहत और व्यवस्था का कार्य शुरू किया। ओम बड़ोदिया ने क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि शैलेंद्र गिर्रां गोस्वामी और ऊंट के मालिक के साथ मिलकर नगर पालिका प्रशासन से संपर्क साधा। तत्पश्चात नगर पालिका की जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर को मौके पर बुलवाया गया।

श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल द्वारा गौ-वत्स बारस का सामूहिक उद्यापन कार्यक्रम सम्पन्न



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल द्वारा गौ-वत्स बारस का सामूहिक उद्यापन रखा गया। समाज की 300 से अधिक महिलाओं द्वारा गाय व बछड़े का पूजन कर अपने बच्चों व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष कुसुम सेठिया ने कहा कि महिलाएं इस पर्व पर गाय व बछड़े की पूजा कर संतान की रक्षा, लंबी आयु और सुखी जीवन की कामना करती है। वास्तव में यह पर्व मनुष्य व पशुओं के बीच के पवित्र रिश्ते और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का संदेश देता है। कोषाध्यक्ष हेमलता गुप्ता ने बताया कि भगवान कृष्ण को गाय व बछड़े अत्यंत प्रिय है, इसलिए इस दिन इनकी पूजा करने से भगवान कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त होती है। प्रोजेक्ट चेअर पर्सन रेखा मंडवारिया व संगीता रत्नावत ने बताया कि इस दिन गेहूं से बना भोजन व गाय के दुध का निषेध रहता है, इसलिए जुआ, बाजरा व मक्का का उपयोग कर भोजन तैयार किया जाता है।इस तरह अपने धर्म में भी स्वस्थ जीवन शैली के लिए विभिन्न आनाजों को भोजन में सम्मिलित करने का महत्व बताया गया है।

मिडिया प्रभारी प्रिया फरकया ने बताया कि सर्वप्रथम गाय व बछड़े को सान करारकर उन्हें हल्दी, कुमकुम व मेहंदी लगाकर वस्त्र धारण करवाया व फूलों से सजाया। उपस्थित सभी महिलाओं ने पूजन कर उचित महिारा खिलाकर आरती उतारी। परिक्रमा लेकर गौ माता से आशीर्वाद लिया।बछ बारस की कथा सुनी।गौ माता व कृष्ण भगवान के भजन गाए व नृत्य किया।सभी महिलाओं ने मक्का, ज्वार से बने भोजन को ग्रहण किया।

सम्पादकीय

विनोबा भावे के भुदान एवं

सर्वोदय में सबका विकास संभव

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत ‘नया भारत’, ‘विकसित भारत’ और ‘समृद्ध भारत’ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष।

विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-‘सारी भूमि गोपाल की’। इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलतः परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उसका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कड़ा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है।

मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुःख को अपना दुःख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हट्टडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रयाग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर गए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएँ हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था-सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंततः एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के अधीन पर आगे बढ़े। विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यंकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। आपातकाल के दौरान उनके ‘अनुशासन पर्व’ संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए।

परिवार में सामंजस्य बढ़ाता है सहजयोग



परिवार हमारे जीवन की पहली पाठशाला है। यहीं से हमें प्रेम, सहयोग, संस्कार और आपसी सम्मान की सीख मिलती है। लेकिन आज की तेज जीवनशैली, बढ़ता तनाव, व्यस्तता और अपेक्षाओं के कारण परिवार के सदस्यों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे हैं। ऐसे समय में सहजयोग परिवार में शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का एक सरल माध्यम बन सकता है।

सहजयोग का मूल उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर की शांति से जोड़ना है। जब मन शांत होता है, तो हमारी सोच और व्यवहार में भी सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। परिवार में सामंजस्य की शुरुआत भी व्यक्ति के अपने भीतर से होती है। यदि हम स्वयं क्रोध, तनाव और अहंकार पर नियंत्रण रखना सीख जाएँ, तो परिवार के वातावरण पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सहजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति को अपने भीतर झाँकने और अपनी भावनाओं को समझने का अवसर मिलता है। नियमित ध्यान करने से मन को स्थिर रखने और अनावश्यक प्रतिक्रियाओं से बचने में सहायता मिल सकती है। उदाहरण के लिए, किसी पारिवारिक विवाद के समय तुरंत उत्तर देने के बजाय यदि व्यक्ति कुछ क्षण शांत रहकर सोचता है, तो बात बढ़ने के बजाय समाधान की दिशा में जा सकती है।

परिवार के सदस्य यदि कुछ समय साथ बैठकर ध्यान करें, तो यह एक सुंदर पारिवारिक अभ्यास बन सकता है। कुछ मिनटों का सामूहिक ध्यान घर के वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाने में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही परिवार में एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनना, सम्मान देना और अपनी गलती होने पर क्षमा माँगना भी आवश्यक है।

सहजयोग हमें यह समझने में मदद करता है कि वास्तविक खुशी केवल बाहरी सुविधाओं में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन में है। जब परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने भीतर शांति विकसित करने का प्रयास करता है, तो आपसी संबंधों में सहजता और मधुरता बढ़ सकती है।

इस प्रकार, सहजयोग केवल ध्यान की एक पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि शांत मन, प्रेमपूर्ण व्यवहार और बेहतर पारिवारिक संबंधों की दिशा में एक अभ्यास के रूप में अपनाया जा सकता है। परिवार में प्रतिदिन कुछ समय ध्यान, संवाद और आत्मचिंतन के लिए निकालना सामंजस्यपूर्ण जीवन की ओर एक छोटा लेकिन सार्थक कदम हो सकता है।

हमारे देश में परोपकार की भावना बड़ी प्रबल है। आदमी अपने लिए समय न निकाले, पर दूसरों को धुआँ देने का समय जरूर निकाल लेता है। सिगरेट पीने वाला केवल खुद धुआँ नहीं पीता, आसपास के लोगों को भी मुफ्त में पिला देता है। खर्च एक का, जहर सबका—यही पैसिव स्मोकिंग है। लैसेट पब्लिक हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में 3 लाख 25 हजार 600 लोगों की मौत इसी ‘मुफ्त सेवा’ से हुई, जबकि 1990 में यह संख्या 2 लाख 17 हजार 700 थी। तीस वर्षों में मौतों में करीब पचास प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। बेरोजगारी और महँगाई से जुझते देश में मौत का यह कारोबार भी बेखटके चल रहा है—न दुकान चाहिए, न लाइसेंस।

धुआँ बढ़ा लोकतांत्रिक है—उसे अभीर-गरीब, अपना-पराया कुछ नहीं दिखता। बस साँस लेता इंसान चाहिए। वह दरवाजा नहीं खटखटाता, सीधे फेफड़ों में उतर जाता है। हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी, अस्थमा, टाइप-2 डायबिटीज और स्तन कैंसर तक इससे जुड़े हैं। भारत में करीब 44 करोड़ 40 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। चीन के बाद दुनिया में दूसरा स्थान हमारा है। महिलाओं पर असर अधिक है, क्योंकि वे घर में ज्यादा समय बिताती हैं। 2023 में पैसिव स्मोकिंग से 1 लाख 56 हजार 900 महिलाओं और 1 लाख 68 हजार 700 पुरुषों की मौत हुई। धुआँ बराबरी करता है—साँस सबकी जाती है, धुआँ कोई और छोड़ता है।

अराजकता करने वालों को विशेष छूट

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार के आग्रह पर कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में दर्ज की गई सभी एफआईआर रद्द कर दी। केवल उन मामलों में नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी गई, जिनमें हिंसा में अपराधिक इतिहास वालों के शामिल होने का अदंश है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से दिल्ली के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, असम, बिहार में भी सीजेपी के उन प्रदर्शनकारियों को राहत मिल गई, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इन एफआईआर को रद्द करने का फैसला खुद को अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण न्याय के लिए मिली संवैधानिक शक्ति के जरिये किया, पर क्या यह सचमुच पूर्ण न्याय है?

हालाँकि इस फैसले को लेकर सवाल भी उठे, लेकिन उन पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं समझी गई। संभवतः इसलिए कि खुद सरकार ने इन एफआईआर को रद्द करने का निवेदन किया था और विपक्ष संग सीजेपी को तो इस फैसले में अपनी जीत ही दिख रही थी। इसके अतिरिक्त ऐसा भी लगता है कि ऐसा फैसला इसलिए आया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस अपराधबाधों से ग्रस्त था कि कारोरोच जनता पार्टी का जन्म उसकी उस टिप्पणी से हुआ, जिसके सही संदर्भ को नहीं समझा गया था। जो भी हो, इस फैसले को पूर्ण न्याय की संज्ञा देना कठिन है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भले ही सत्तापक्ष-विपक्ष संतोष जता रहे हों, पर इससे दिल्ली पुलिस के सौ से अधिक वे जवान और अधिकारी शुब्ध होंगे, जिन्हें कथित शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों ने लहूलुहान कर दिया था—इतना अधिक कि कुछ तो मरणशय से हो गए थे। किसी के दांत टूटे थे तो किसी के हाथ में राड डालनी पड़ी। कुछ पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इनमें कुछ अभी तक चोटों से उबर नहीं सके हैं। क्या इन पुलिसकर्मियों को न्याय पाने का कोई अधिकार नहीं या फिर वे पूर्ण न्याय के दायरे में नहीं आते? यह ध्यान रहे कि दिल्ली पुलिस ने खुद पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति में तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ नाजबंद एफआईआर नहीं की थी। यह तो जांच का विषय था कि हिंसा किसने की? आखिर सरकार और सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर कैसे पहुंचे कि सीजेपी के संसद मार्च में जिन्होंने हिंसा की, वे केवल आपराधिक अतीत बताते वाले थे और इनके अलावा जो भी छात्र, रीलबाज, आंदोलनजीवी और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता या समर्थक आदि थे, वे सब देवमानुष हों? प्रश्न यह है कि क्या न्यायशास्त्र में ऐसा कुछ लिखा है कि बिना आपराधिक अतीत वाला या फिर कोई छात्र अथवा पहली बार किसी धरने में शामिल शख्स हिंसा कर ही नहीं सकता? क्या कोई इसकी गारंटी लेने को तैयार है कि हिंसा केवल आपराधिक अतीत वालों ने ही की? क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने पुलिसकर्मियों को उनके हाल पर छोड़ दिया? क्या ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि कुछ ऐसा नैटिव बना दिया गया था।

यदि किसी इमारत को वर्षों तक नियमों के विरुद्ध चलने दिया गया, तो केवल चौकीदार या कनिष्ठ कर्मचारी दोषी कैसे हो सकता है? 27 जुलाई 2024 को ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राऊ आईएसए स्टाडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अर्थ्यर्थियों की मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। वे बच्चे किसी अपराध के लिए नहीं, पढ़ने के लिए दिल्ली आए थे। उनके हाथों में किताबें थीं, आँखों में सपने थे और परिवारों को उनसे उम्मीद थी। लेकिन एक बेसमेंट, बारिश और प्रशासनिक लापरवाही के त्रिकोण ने उन सपनों को हमेशा के लिए डुबो दिया।

विडंबना यह है कि घटना के बाद अवैध बेसमेंट, संकरे रास्ते, अग्नि सुरक्षा और भवन नियमों की बातें सामने आईं। कारवाई भी हुई। बाद में दिल्ली में सैकड़ों कोचिंग सेंटरों और पुस्तकालयों पर कारवाई की गई; फरवरी 2026 तक 370 इकाइयों को सील किए जाने और 899 संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई।

लेकिन प्रश्न फिर वही है—यदि इतनी बड़ी संख्या में संस्थान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, तो हदसे से पहले प्रशासन कहीं था?

क्या किसी बच्चे की मृत्यु के बाद ही यह पता चलता है कि आज पर पाकिस्तान के आतंकी संगठनों या वहां की खुफिया एजेंसी के इशारे पर काम करने के आरोप लाते हैं। यह सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ समय पहले भारतीय खुफिया एजेंसियों द्वारा पूरे भारत में छपेमारी कर पाकिस्तान के शहजाद भट्टी नेटवर्क के 200 से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों के जरिये पाकिस्तान की भारत में बड़े स्तर पर तोड़फोड़ और अस्थिरता फैलाने वाली कार्रवाइयां जैसे रेल ट्रैक काटकर ट्रेन दुर्घटनाओं को अंजाम देने, सरकारी इमारतों और पुलिस चौकियों पर पेट्रोल बम/थ्रेनड फेंकने और लश्कर हल्लाएँ कराने की योजना थी। यह ऑपरेशन सिंदूर से सधमे पाकिस्तान की भारत के विरुद्ध हाइब्रिड युद्ध की नई रणनीति को परिलक्षित करता है। शहजाद भट्टी नेटवर्क दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी की तरह ही एक माफिया है, परंतु उसके काम करने का तरीका एक आम माफिया नेटवर्क की तरह न होकर इस प्रकार है कि उसमें कोई केंद्रीकृत कमांड नहीं है, जिस पर नजर रखकर सुरक्षा एजेंसियाँ उसकी गतिविधियों के बारे में सूचना जुटा सकें।

—**सुनील कुमार महला**

बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं और उसी भविष्य के सामने सिगरेट जला देते हैं। उनके फेफड़े अभी बन रहे होते हैं, मगर धुआँ तभी से अपना असर दिखाने लगता है। निचले क्षसन संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ता है। गर्भवती महिला के आसपास का धुआँ गर्भस्थ बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार पैसिव स्मोकिंग से हृदय संबंधी मौत का खतरा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। फिर भी घर में इसे बीमारी नहीं, ‘माहौल’ कहा जाता है। चाहे बच्चे खाँसें, आँखें जलें, साँस लेने में तकलीफ हो—माहौल खराब नहीं होना चाहिए। सिगरेट बुझ जाए तो ठीक, परिवार की समझ बुझ जाए तो कोई बात नहीं। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के कानून मौजूद हैं। बोर्ड लगे हैं, चेतावनियाँ लिखी हैं, नियम भी बने हैं—बस पालन करने वाला आदमी नहीं मिलता। रेस्तरां के कोने में धुआँ उठता है, दप्तर के गलियारे में सिगरेट जलती है, बस स्टैंड पर धुआँ फैलता है और कानून दीवार पर टंगा सब देखता रहता है। कभी-कभी पुलिसकर्म भी सिगरेट पीते दिख जाते हैं। उनसे पृष्ठि़र कि धूम्रपान कैसे रोकेंगे, तो शायद कहें—पहले अपनी सिगरेट खत्म कर लेने दीजिए। कानून बनाना आसान है, लागू करना कठिन। इस धुआँ ने भारत के 9.28 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष छीन लिए। मगर फाइल में यह नुकसान बड़ा सभ्य दिखाई देता है।

घर में धूम्रपान की अपनी सरकार होती है। पिता जी

दिल्ली में हदसों के शिकार पढ़ने वाले बच्चे ही क्यों?

दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं यह उन लाखों सपनों की राजधानी भी है, जिन्हें लेकर देश के कोने-कोने से बच्चे, युवा और उनके परिवार यहीं आते हैं। कोई आईएसएस बनने का सपना लेकर आता है, कोई डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक बनने का। कोई छोटे से गाँव से चलकर दिल्ली की किसी कोचिंग की सीढ़ियाँ चढ़ता है और कोई अपने माता-पिता की वर्षों की बचत लेकर एक छोटे-से कमरे में अपना भविष्य खोजता है। लेकिन विडंबना देखिए,जिस दिल्ली में ये बच्चे भविष्य बनाने आते हैं, वही दिल्ली बार-बार उनके वर्तमान को छीन लेती है। सवाल अतः केवल यह नहीं है कि दिल्ली में हदसे क्यों होते हैं। असली सवाल यह है कि बार-बार वही हदसे क्यों होते हैं और हर हदसे के बाद भी व्यवस्था क्यों नहीं जاسती?

कु्यवस्था की भयावह तस्वीर हाल की सत्य निकेतन इमारत दुर्घटना ने फिर सामने रख दी। छात्र-आवास वाली बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की मृत्यु की रिपोर्ट सामने आई और अधिकांश पीड़ित विद्यार्थियों के होने से छात्र आवासों की सुरक्षा भी गंभीर प्रश्न उठे।

सबसे पीछेदायक बात यह है कि विद्यार्थी दिल्ली में केवल पढ़ाई की फीस नहीं देते। वे कमाय किराये पर लेते हैं, भोजन के लिए भुगतान करते हैं, परिवहन का खर्च उठाते हैं और अपने परिवारों की आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक कीमत पर अपने सपनों को खरीदने की कोशिश करते हैं।

तो क्या उन्हें बदले में केवल असुरक्षित कमरे मिलेंगे?

क्या उनके लिए अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, आपातकालीन निकास और स्वच्छ जलनिकासी जैसी सुविधाएँ विलासिता हैं?

राजधानी में पढ़ने वाला विद्यार्थी नागरिक नहीं है क्या?

दिल्ली की प्रशासनिक समस्या का एक और गंभीर पहलू है जिम्मेदारी का बिखराव। नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन विभाग, विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग और स्थानीय प्रशासन कई संस्थाएँ अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम करती हैं। लेकिन जब हदसा होता है तो जिम्मेदारी अक्सर किसी एक छोटे कर्मचारी या किसी संचालक पर जाकर रुक जाती है।

हाल की प्रशासनिक जाँचों के संबंध में रिपोर्टों में यह बात सामने आई है कि कई त्रासदियों में प्रणालीगत खामियाँ और प्रशासनिक लापरवाही निश्चित हुईं, जबकि कार्रवाई अक्सर निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित रही।

यहीं लोकतंत्र की असली परीक्षा है।

यदि किसी इमारत को वर्षों तक नियमों के विरुद्ध चलने दिया गया, तो केवल चौकीदार या कनिष्ठ कर्मचारी दोषी कैसे हो सकता है?

27 जुलाई 2024 को ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राऊ आईएसए स्टाडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अर्थ्यर्थियों की मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। वे बच्चे किसी अपराध के लिए नहीं, पढ़ने के लिए दिल्ली आए थे। उनके हाथों में किताबें थीं, आँखों में सपने थे और परिवारों को उनसे उम्मीद थी। लेकिन एक बेसमेंट, बारिश और प्रशासनिक लापरवाही के त्रिकोण ने उन सपनों को हमेशा के लिए डुबो दिया।

विडंबना यह है कि घटना के बाद अवैध बेसमेंट, संकरे रास्ते, अग्नि सुरक्षा और भवन नियमों की बातें सामने आईं। कारवाई भी हुई। बाद में दिल्ली में सैकड़ों कोचिंग सेंटरों और पुस्तकालयों पर कारवाई की गई; फरवरी 2026 तक 370 इकाइयों को सील किए जाने और 899 संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस दिए जाने की रिपोर्ट सामने आई।

लेकिन प्रश्न फिर वही है—यदि इतनी बड़ी संख्या में संस्थान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, तो हदसे से पहले प्रशासन कहीं था?

क्या किसी बच्चे की मृत्यु के बाद ही यह पता चलता है कि

सिगरेट पी रहे हैं, बच्चा पास में पढ़ रहा है और माँ रसोई में खाना बना रही है। धीरे-धीरे घर में हवा कम, धुआँ ज्यादा हो जाता है। फिर भी इसे ‘घर का मामला’ कह दिया जाता है। अपना धुआँ दूसरों का भी अपना मान लिया जाता है। बच्चा कुछ भी धुआँ परेशान करता है, तो उसे बड़ों की इज्जत करना सिखाया जाता है—मानो इज्जत का मतलब धुएँ में चुपचाप साँस लेना हो। सिगरेट पीने वाले की आजादी बचाने के लिए परिवार की साँस की आजादी कुर्बान कर दी जाती है। यह घरेलू लोकतंत्र है—वोट सबका, फैसला एक का।

अस्पताल में यह विडंबना और भयावह हो जाती है। मरीज कहता है–‘डॉक्टर साहब, मैंने जिंदगी में सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाया।’ डॉक्टर रिपोर्ट देखते हैं और शरीर पर धूम्रपान के असर पाते हैं। मृत्यु प्रमाण-पत्र में हृदयाघात या कोई दूसरी बीमारी लिखी जाती है, पर कहानी में वह धुआँ भी मौजूद होता है, जिसे मृत व्यक्ति ने कभी जलाया ही नहीं था। दुनिया भर में करीब 2.71 अरब लोग पैसिव स्मोकिंग की चपेट में हैं और 2023 में करीब 16.6 लाख (1.66 मिलियन) मौतें इससे जुड़ी थीं। भारत इस समस्या में पीछे नहीं है। यहाँ आँकड़े भी तेजी से बढ़ते हैं। फर्क बस इतना है—आँकड़े नहीं मरते, आदमी मरता है।

धुएँ का हिसाब अस्पताल में ही नहीं खुलता। बीमारी आई तो दवा, अस्पताल का बिल, काम से छुट्टी और परिवार का यह भी कमी—सब साथ आते हैं।

बेसमेंट में पुस्तकालय चल रहा था?

क्या किसी इमारत के गिरने के बाद ही उसके कमजोर होने का प्रमाण मिलता है?

क्या आग लगने के बाद ही अग्निशमन व्यवस्था की जाँच होती है?

और क्या किसी बच्ची के साथ अपराध होने के बाद ही सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा याद आती है?

हाल ही में दिल्ली में एक नाबालिग लड़की के साथ चलती स्लीपर बस में कथित सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने लड़की को बस में बैठाया और उसके साथ अपराध किया; मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

यह घटना केवल अपराधियों की विकृत मानसिकता का प्रश्न नहीं है। यह सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, यात्रियों की सुरक्षा, ड्राइवर-कंडक्टर के सत्यापन और आपातकालीन व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है।

दिल्ली ने 2012 की भयावह निर्भया घटना के बाद पूरे देश को बदलते हुए देखा। कानून बदले, व्यवस्थाओं के वादे हुए, सुरक्षा के आश्वासन दिए गए। लेकिन इतने वर्षों बाद भी यदि एक नाबालिग लड़की सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षित नहीं है, तो हमें स्वयं से पूछना होगा—हमने वास्तव में क्या बदला?

दिल्ली की त्रासदियों की सूची यहीं समाप्त नहीं होती।

2024 में विवेक बिहार के एक बेबी केयर सेंटर में आग से सात नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई। यह ऐसी घटना थी जिसमें पीड़ितों ने जीवन देखना भी शुरू नहीं किया था। वे शिशु थे—न उन्हें व्यवस्था का ज्ञान था, न कानून का, न राजनीति का। उनकी सुरक्षा पूरी तरह व्यक्तों और संस्थागत व्यवस्था पर निर्भर थी।

और फिर दिल्ली में आग की घटनाएँ लगातार प्रशासन की क्षमता को चुनौती देती रही हैं। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार 2019-20 से 2025-26 के बीच दिल्ली में आग की घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मृत्यु हुई; 2024-25 में ही आग से 90 मौतें दर्ज की गईं।

यहाँ सवाल आग का नहीं, आग से पहले की तैयारी का है।

हर बार आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड पहुँचती है, राहत कार्य होता है, जाँच समिति बनती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ दिनों बाद शहर फिर उसी तरह चलने लगता है। लेकिन क्या उन इमारतों की नियमित जाँच होती है जिनमें लोग रोज रहते और काम करते हैं?

राजधानी में विद्यार्थी सबसे असुरक्षित वर्गों में से एक बनते जा रहे हैं। वे दूसरे राज्यों से आते हैं। उन्हें रहने के लिए छोटे-छोटे कमरे चाहिए।

कोचिंग क्षेत्रों में किराये अत्यधिक हैं। एक कमरे में कई विद्यार्थी रहते हैं। मकान मालिकों और पीजी संचालकों के सामने उनकी आर्थिक विवशता उन्हें कमजोर ग्राहक बना देती है। यदि किसी क्षेत्र में जलनिकासी की समस्या वर्षों से ज्ञात थी, तो पहली बारिश को दोषी कैसे माना जा सकता है?

यदि कोई भवन छात्रावास या पीजी के रूप में इस्तेमाल हो रहा था, तो उसका सुरक्षा प्रमाणपत्र किसने देखा?

और यदि किसी बस में यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त थी, तो उसका संचालन किस व्यवस्था के अंतर्गत हो रहा था? व्यवस्था का अर्थ केवल आदेश जारी करना नहीं, आदेश लागू करवाना है।

दिल्ली में समस्या यह भी है कि दुर्घटना के बाद संवेदना बहुत दिखाई देती है, लेकिन दुर्घटना से पहले सावधानी बहुत कम दिखाई देती है।

नेता घटनास्थल पर जाते हैं। अधिकारी बैठक करते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है। जाँच समिति बनती है। मीडिया

नए तरीके का छद्म युद्ध

यह युवाओं और विशेष तौर पर सैन्य-जी के ऐसे युवाओं से डिजिटल मीडिया के जरिये संपर्क साधता है, जो गैम्सटरों और गन कल्चर से प्रभावित होते हैं या फिर नशे की लत से ग्रसित होते हैं। ऐसे युवा महज रोमांच और नशीले पदार्थों के लिए अपराध करने को तैयार हो जाते हैं, जबकि उन्हें अक्सर यह मालूम तक नहीं होता कि उनसे जो अपराध करने को कहा जा रहा है, वह पाकिस्तान में बैठे किसी व्यक्ति द्वारा कहा जा रहा है और वह आतंकवाद की श्रेणी में भी आ सकता है।

शहजाद भट्टी नेटवर्क 5-10 हजार रुपये देकर युवाओं से किसी पुलिस थाने या अन्य किसी संवेदनशील सरकारी कार्यालय का फोटो लाकर देने या किसी सार्वजनिक स्थान पर भड़काऊ पोस्टर लगा आने या बस, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट आदि पर बम होने की फर्जी काल करने जैसे काम देता है। इसके अलावा युवाओं को किसी संवेदनशील सार्वजनिक स्थान पर चुपके से कैमरे लगाने और उनकी फुटेज भेजने जैसे काम भी दिए जाते हैं। हिंसक वीडियो गेम्स, ड्रग्स और गन कल्चर की फंतासी दुनिया में जी रहे बहुत से युवा इन गतिविधियों का निहितार्थ समझे बिना भट्टी और इस जैसे अन्य पाकिस्तानी

सरकार स्वास्थ्य बजट बढ़ाती है, पर धुएँ से होने वाले आर्थिक नुकसान का पूरा हिसाब सामने नहीं आता। यह उस चोर जैसा है जो रोज घर से कुछ चुराता है और घरवाला हर ईसान का अधिकार है, मगर हमने उसे भी किसी की निजी मेहरबानी समझ लिया है। एक आदमी सिगरेट जलाता है और कई लोग उसकी कीमत अपनी सेहत से चुकाते हैं। घर में बच्चा, बाहर राहगीर, दफ्तर में सहकर्मी—किसी ने धुआँ माँगा नहीं, फिर भी सबके हिस्से में आ जाता है। सिगरेट जलाने वाला शायद इसे अपना अधिकार समझे, लेकिन दूसरे की साँस पर अधिकार किसने दिया? आखिर कब तक किसी की आदत के धुएँ में किसी और का जीवन घुटता रहेगा? सवाल सिगरेट का नहीं, उस संवेदना का है जो हमें यह समझाए कि किसी की साँस पर किसी दूसरे का अधिकार नहीं हो सकता।

—**प्रो. आरके जैन**

पैसिव स्मोकिंग केवल धूम्रपान करने वाले की आदत नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी का सवाल है। साफ हवा हर इंसान का अधिकार है, मगर हमने उसे भी किसी की निजी मेहरबानी समझ लिया है। एक आदमी सिगरेट जलाता है और कई लोग उसकी कीमत अपनी सेहत से चुकाते हैं। घर में बच्चा, बाहर राहगीर, दफ्तर में सहकर्मी—किसी ने धुआँ माँगा नहीं, फिर भी सबके हिस्से में आ जाता है। सिगरेट जलाने वाला शायद इसे अपना अधिकार समझे, लेकिन दूसरे की साँस पर अधिकार किसने दिया? आखिर कब तक किसी की आदत के धुएँ में किसी और का जीवन घुटता रहेगा? सवाल सिगरेट का नहीं, उस संवेदना का है जो हमें यह समझाए कि किसी की साँस पर किसी दूसरे का अधिकार नहीं हो सकता।

—**प्रो. आरके जैन**

कुछ दिन सवाल पूछता है। सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है। फिर धीरे-धीरे सब शांत हो जाता है।

लेकिन जिन घरों में बच्चे वापस नहीं लौटते, वहाँ कोई सामान्य दिन वापस नहीं आता। किसी माँ के लिए तीन अर्थ्यर्थियों की मृत्यु कोई प्रशासनिक फाइल नहीं है। किसी पिता के लिए गिरा हुआ मकान केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं है। किसी बदन के लिए बस में हुआ अपराध केवल एफआईआर नंबर नहीं है।

हर हदसे के पीछे एक परिवार होता है और हर परिवार के पीछे एक अधूरा भविष्य। दिल्ली को अब %हदसे के बाद कार्रवाई% वाली राजधानी नहीं, हदसे से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली राजधानी बनना होगा।

हर कोचिंग सेंटर का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट हो। बेसमेंट के उपयोग की डिजिटल निगरानी हो। छात्रावास और पीजी का अनिवार्य पंजीकरण हो। प्रत्येक भवन का संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हो। अग्निशमन निकास की नियमित जाँच हो। जलनिकासी व्यवस्था की मानसून से पहले अनिवार्य समीक्षा हो। सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक का सत्यापन तथा यात्रियों के लिए तत्काल आपातकालीन तंत्र मजबूत हो।

और सबसे महत्वपूर्ण—जवाबदेही ऊपर तक जाए। यदि व्यवस्था की विफलता से मृत्यु होती है तो केवल उस व्यक्ति को दंडित करना पर्याप्त नहीं जिसने अंतिम गलती की। यह भी तथ्य होना चाहिए कि निरीक्षण किसने नहीं किया, अनुमति किसने दी, शिकायत पर कार्रवाई किसने नहीं की और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी।

रा

अवैध शराब के खिलाफ देवास में बड़ा शिकंजा, 11.50 लाख की सामग्री जब्त

3650 किलो महुआ लाहन, 80 लीटर हाथभट्टी व 58 लीटर विदेशी मदिरा बरामद; आर्टिगा वाहन भी जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और परिवहन के खिलाफ देवास जिले में आबकारी विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। 8 सितंबर को जिले के खटम्बा, कन्नौद, खातेगांव, सतवास और नेमावर क्षेत्र में एक साथ दबिश देकर करीब 3650 किलोग्राम महुआ लाहन, 80 लीटर हाथभट्टी मदिरा, 58 लीटर विदेशी मदिरा तथा आर्टिगा वाहन क्रमांक MP09DR3096 जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है।

आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार कलेक्टर ऋगुज सिंह के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी बसंती भुरिया के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।



आबकारी विभाग की संयुक्त टीम और पुलिस बल ने कन्नौद के सोनखेड़ी, हरिजन बस्ती, सीकलीगर मोहल्ला, सतवास, पीपलकोटा, खातेगांव, नेमावर तथा खटम्बा सहित अन्य स्थानों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में महुआ लाहन बरामद हुआ,

जिसे मौके पर नष्ट किया गया।

कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत 11 प्रकरण तथा धारा 34(2) के तहत 1 प्रकरण, कुल 12 प्रकरण दर्ज किए गए। विदेशी मदिरा के साथ आर्टिगा वाहन भी जब्त

कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

इनकी रही प्रमुख भूमिका- कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार, नेमावर थाना प्रभारी टीना शुक्ला, आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, गोकुल प्रसाद मेघवाल, पूजा गहलोत, कैलाश जामोद, रोहित मुकाती, योगेंद्र ठाकुर, राजश्री खन्ना गहलोत, अरविंद सोलंकी, दीपक धुरिया और राजाराम रैक्वार शामिल रहे। इसके अलावा आबकारी मुख्य आरक्षक विकास गौतम, अरविंद जिनवाल, शंकर लाल परते, आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, सनत ओझा, निहाल खत्री, निकिता परमार, भगवत परते, सविता धाकड़ तथा नगर सैनिक अनिल चौहान ने कार्रवाई में सहभागिता की। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

वीरमणि तीर्थ धाम पर होगा गुरु मंदिर का निर्माण



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।नगर को दो देव विमानतुल्य, शिल्पकला समृद्ध जिनालयों की सौगात देने वाले पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराजा के भव्य गुरु मंदिर की नगर को शीघ्र सौगात मिलने वाली है। जिसके निर्माण महाराजा के आशीर्वाद से लालचंदी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम की पुण्यधरा पर निर्माणाधीन होने वाले परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराज के गुरु मंदिर के निर्माण हेतु बुधवार को शुभ खनन मुहूर्त अंतर्गत भूमि पूजन किया गया।

तीर्थ सेवा समिति प्रमुख मंगल नाहर ने बताया कि आठ दिवसीय पर्वधाराज पर्वपूषण महापर्व के अंतर्गत सिद्ध वचनधारी-परम उपकारी पप्पू आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय पद्मभूषण सुरीश्वरजी एवं पूज्य पन्थास श्रीऋषभरत्न विजयजी महाराजा के आशीर्वाद से लालचंदी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम की पुण्यधरा पर निर्माणाधीन होने वाले परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराज के गुरु मंदिर के निर्माण हेतु बुधवार को शुभ खनन मुहूर्त अंतर्गत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन, वीरमणि तीर्थ धाम के प्रमुख ट्रस्टी लोकेन्द्र नारेलिया, सुनील नाहर, माणकचन्द तिलगोता, मनोज गोलेछा, प्रतीक जैन सहित समाजजन सर्वश्री विमल जैन, महेंद्र चत्तर, पुखराज जैन, मनोज नारेलिया, शैलेन्द्र जैन, अजय जैन, राजू तातेड़, मनोज तिलगोता, मनोहर जैन, मनीष तिलगोता, मनीष जैन तथा नगरपालिका सभापति सतीश राठौर आदि उपस्थित थे।

राजमाता विधायक गायत्रीराजे पवार ने किया ‘मेरे गणेश, मिट्टी के गणेश’ कार्यशाला का निरीक्षण



संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान की प्रशंसा करते हुए विधायक श्रीमंत गायत्रीराजे पवार ने कहा कि, मिट्टी के गणेश बनाने और पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान वास्तव में सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास है। हमें अपनी परंपराओं के साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़कर मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं को अपनाया चाहिए। इस अवसर पर विधायक ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश जी की प्रतिमा का निर्माण भी किया। कार्यक्रम संयोजक त्रह्ना आदित्य दुबे ने विधायक का स्वागत रुद्राक्ष की माला एवं पवित्र गंगाजल भेंट कर किया। उन्होंने बताया कि राजमाता श्रीमंत गायत्रीराजे पवार के आगमन के साथ ही कार्यशाला में तैयार 1000 मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं को आमजन, विशिष्टजन, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार, अधिकारियों को भेंट करने के अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री विजय सिंह पंवार, मंडल अध्यक्ष नवीन सोलंकी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अतुल शर्मा, पार्षद राजेंद्र ठाकुर, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अभिषेक गोस्वामी, युवा मोर्चा महामंत्री गोवंद ठाकुर, गजेन्द्र गोस्वामी, सहित अन्य गरमामाज्यजन ने प्रतिमा का निर्माण किया कार्यक्रम सहयोगी मयंक विश्वकर्मा, पलक शर्मा उपस्थित रहे।

‘विकसित भारत क्विज’ में युवाओं की भागीदारी का आह्वान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय युवा महोत्सव, जिसका आयोजन वर्ष 1995 से प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर किया जाता है, देश के विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाले युवाओं को एक मंच प्रदान करता रहा है। यह महोत्सव राष्ट्रीय एकता, युवा सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ‘विकसित भारत ३2047’ के विजन के अनुरूप वर्ष 2025 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का पुनर्गठन ‘विकसित भारत युवा संवाद’ के रूप में किया गया। इसी क्रम में 30वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-विकसित भारत युवा संवाद (2027) का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहभागी बनाना तथा उयमें नेतृत्व, नवाचार एवं रचनात्मक चिंतन की भावना को प्रोत्साहित करना है।

‘विकसित भारत क्विज’ में करें सहभागिता- भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ ‘विकसित भारत क्विज’ का आयोजन किया जा रहा है। क्विज ‘मेरा युवा भारत’ पोर्टल पर उपलब्ध है। इसमें युवाओं के सामान्य ज्ञान एवं समझ का परीक्षण भारत, भारतीय विरासत, देश की उपलब्धियों, विकास यात्रा तथा ‘विकसित भारत ३2047’ की परिकल्पना से जुड़े विभिन्न विषयों पर किया जाएगा। यह क्विज 22 भाषाओं में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं में

जिज्ञासा एवं ज्ञानपूर्ण सहभागिता को बढ़ावा देना तथा देश के प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश से व्यापक युवा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

विभिन्न चरणों में होगा आयोजन- ‘विकसित भारत युवा संवाद’ के अंतर्गत युवाओं की सहभागिता को विभिन्न चरणों में आगे बढ़ाया जाएगा, जिसमें स्टेज-01 क्विज प्रतियोगिता 30 सितम्बर 2026 तक, स्टेज-02 निबंध प्रतियोगिता 05 से 09 अक्टूबर 2026, स्टेज-03 जिला चैम्पियनशिप 10 अक्टूबर से 06 नवम्बर 2026, स्टेज-04 राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संवाद, 17 नवम्बर से 07 दिसम्बर 2026, स्टेज-05 राष्ट्रीय संवाद 10 से 12 जनवरी 2027 को होगा।

क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को आगामी चरणों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। निबंध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागी विकसित भारत के निर्माण से जुड़े अपने विचार, विजन, नवाचार एवं समाधान प्रस्तुत करेंगे। जिला एवं राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया में शामिल होंगे।

‘विकसित भारत चुनौती ट्रेक’ के अंतर्गत युवाओं को भविष्य का शासन, शहरी परिवर्तन एवं नागरिक सेवाएं, जलवायु सुरक्षा, सतत पर्वतीय विकास, जनसांख्यिकीय लाभांश, मानव पूंजी विकास एवं युवा विकास, सतत औद्योगीकरण, संसाधन आधारित विकास एवं स्थिरता, एकट ईस्ट नीति, सांस्कृतिक नेतृत्व, विनिर्माण, उद्यमिता एवं हरित विकास, जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास, नवाचार अर्थव्यवस्था आदी।

थमा बारिश का दौर, दिन में खिली तीखी धूप, तीन दिन बाद फिर डेरा डालेंगे बादल, 19 सितंबर तक हल्की बारिश की संभावना



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रिमझीम बारिश के बाद गर्मी से मिली राहत अब नरदरद हो गई है और मौसम साफ हो चुका है। बुधवार को भी दिन में खिली तीखी धूप ने एक बार फिर लोगों को गर्मी का एहसास कराया। हालांकि तीन दिन बाद फिर मौसम बदलेगा और रिमझीम बारिश होगी जो 19 सितंबर तक जारी रहेगी। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

बुधवार को भी आसमान पर कुछ देर के लिए बादल जरूर छाए थे, लेकिन कुछ देर बाद हवाओं के साथ बादल भी आगे बढ़ गए जिससे मौसम साफ हुआ और तीखी धूप खिली जिससे लोगों को दिन में गर्मी का एहसास हुआ। शाम तक भी मौसम के यही

हाल थे जिसके चलते तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आगामी 12 सितंबर तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और धूप

खिलेगी। इसके बाद एक बारिश का सिस्टम बनने की संभावना है जो 19 सितंबर तक एक्टिव रहेगा। इस दौरान हल्की से मध्यम वर्षा संभावित है।

12 फीट पहुंचा बांध का जलस्तर- नगर में गत दिनों हुई बारिश ने लोगों के लिए राहत का काम किया जिससे न सिर्फ मौसम में ठंडक चुली

बल्कि इससे चीलर बांध के जलस्तर में भी काफी वृद्धि हुई। बारिश के पहले चीलर बांध का जल स्तर शून्य था जो 12 घंटे हुई रिमझीम वर्षा से 7 फीट पहुंचा था। इसके बाद रिमझीम

मैत्री भावना का उदय और बैर भावना का अस्त होना ही है पर्व का उद्देश्य

आत्म शुद्धि का महान पर्व है पर्युषण- भाग्यवंत भाई, धर्मेश भाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संसार में भूखे रहने वालो से ज्यादा खाने वाले अस्वस्थ होते है। जैन शास्त्र में भी तपस्या का विशेष महत्व है । हमारे दुष्ट कर्मों का निवारण करने के लिए तपस्या अमोघ शस्त्र है। संघ पूजन, साधर्मिक भक्ति, तीर्थयात्रा एवं सात्र महोत्सव हमारे वार्षिक कर्तव्य है हमे वर्षभर में इन कर्तव्यों का अवश्य पालन करना चाहिए।

क्षमापना की उच्च एवं मैत्रीपूर्ण भावना को लेकर यह पर्युषण महापर्व आया है। मैत्री भावना का उदय और बैर भावना का अस्त हो उसे ही क्षमापना कहते है। हमारे द्वारा किसी भी जीव को कोई भी प्रकार का दुष्ट पहुंचा हो तो उस जीव से क्षमा मांगकर उसको शांति एवं समाधि मिले इस प्रकार का पुरुषार्थ करना चाहिये। यही सच्ची क्षमापना है। शास्त्र के अनुसार पर्युषण महापर्व के अंतर्गत जो जीव क्षमापना कर सकता है वहीं आराधक है और जो क्षमापना नहीं करता वह विराधक है। इस प्रकार क्षमापना धर्म का सार है। श्री शंखेश्वर पार्ष्वनाथ मंदिर तुकोगंज रोड पर पर्वधाराज पर्युषण महापर्व के द्वितीय दिवस पर विशाल धर्मसभा में वीर सैनिक भाग्यवंत भाई , मेहुल भाई, धर्मेश भाई, भव्य भाई ने यह बात कही ।



आपने कहा कि जिस प्रकार जीवन के सभी कार्यों को संपादित करने का नियत स्थान होता है उसी प्रकार आराधना, उपासना एवं आत्मविकास के लिए भी मंदिर तथा उपाश्रय नियत स्थान है। जिस प्रकार अशुद्ध भूमि पर कोई सत्त्वार्थ नहीं कर सकते उसी प्रकार हृदय की भूमि को भी सुविशुद्ध बनाकर ही उसमें पर्युषण की आराधना को स्थापित कर सकते है। वस्तु, स्थान एवं समय के अनुसार जिस प्रकार हमारे अंतरभावो में परिवर्तन आ जाता है उसी प्रकार इन पर्व के दिनों में भी हमें हमारे शुभ भावो में तीव्र अभिवृद्धि करना है। पर्युषण महापर्व आत्मशुद्धि के सुरू का जीवन में निनाद करता है। हमे भी हमारे भावो को शुद्ध करके इस पर्व की सच्ची आराधना करना है। आपने आगे कहा जीवन के आठ कर्मों में से सात का बंधन

और रूक-रूककर हुई बारिश से भी चीलर बांध में पहुंचा नदियों के पानी से बांध का जलस्तर 12 फीट तक पहुंच गया। अब नगरवासियों को उम्मीद है कि एक और बारिश के दौर में बांध पूरा भर जाए जिससे उनके पीने के अलावा किसानों के लिए भी पर्याप्त जल भराव हो जाए।

सात दिन तक सक्रिय रहेगा सिस्टम- मौसम विशेषज्ञ धनोतिया की माने तो अभी तीन दिन मौसम खुला रहेगा और धूप खिली रहेगी। जिसके बाद 12 सितंबर से नया सिस्टम बन रहा है जो 19 सितंबर तक जारी रहेगा। यदि सब कुछ सही रहा तो नगरवासियों की चीलर बांध का ओवरफ्लो देखने की तमना इस वर्ष पूरी हो सकती है।

कोतवाली पुलिस को मिली सफलता, दो बदमाशों से किया 90 हजार का माल जब्त

हाट मैदान में तीन दिन पहले दिया था वारदात को अंजाम

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिनसे पुलिस ने करीब 90 हजार का मशरूका जब्त किया है। इन लोगों ने अस्पताल में सफाई का काम करने वाली एक महिला के घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार 05 सितंबर को महुपुरा निवासी रामकन्या नाहर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि दोपहर करीबन 12.30 से शाम 04.30 बजे के मध्य कोई अज्ञात चोर घर का ताला तोड़ कर वहां रखी अलमारी में से एक जोड़ सोने की कान की झुमकी, एक चांदी का कमर का कंदोरा, नगदी 21 हजार रुपये तथा एक खाली सिलेंडर चुरा ले गया है।



पुलिस ने मामला दर्ज किया और एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में तथा एसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी अजयकुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली टीआई संतोष वाघेला ने पुलिस टीम का गठन किया। जिन्होंने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के अवलोकन किया। पुलिस को इसमें सफलता मिली और दो संदीध आरोपी गैस की टंकी को ले जाते हुए दिखे। जिनकी तपत्तीश करने पर उनकी पहचान विशाल पिता नंदकिशोर मण्डोवर (22) निवासी

महुपुरा व रोहित उर्फ कल्ला पिता माखनलाल जाटव (20) निवासी महुपुरा के रूप में हुई। पुलिस ने जब इनसे सख्ती से पूछताछ की तो दोनों ने अपराध करना स्वीकार किया और उनके कब्जे से चोरी गए एक जोड़ सोने की कान की झुमकी, एक चांदी का कमर का कंदोरा के अलावा नगदी 21 हजार जब्त किए। इन बदमाशों ने गैस की टंकी महुपुरा में ही जितेन्द्र की दुकान पर बेचना बताया। जहां से उक्त गैस की टंकी भी पुलिस द्वारा जब्त कर ली गई। पुलिस ने बदमाशों से कुल 90 हजार का मशरूका जब्त किया है। इस कार्रवाई में कोतवाली टीआई संतोष वाघेला, ड.नि. राहुल पोरवाल, प्रधान आरक्षक प्रमोद नागर, आरखक हेमराज, शिशुपाल गुर्जर, मुकुंश धाकड़ और आरक्षक रामप्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहज पब्लिक स्कूल में इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने का दिया प्रशिक्षण

मिट्टी के साथ औषधीय बीज डालकर तैयार करवाई बप्पा की प्रतिमाएं



के बीज सहित अन्य औषधीय बीज भी मिलाए जा रहे हैं। ताकि गणेशजी की प्रतिमा में आस्था के साथ प्रकृति का जीवन भी समाहित किया जा रहा है। इस कार्यशाला में विद्यालय संचालिका आशा जैन, सह संचालिका पूर्वी जैन, प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन ने भी गणेश प्रतिमाएं बनाना सिखा और पर्यावरण के लिए अनुकूल इन प्रतिमाओं व ऐसे प्रयासों की प्रशंसा की। वहीं श्रीमती ठोमरे व श्रीमती नागर का विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान भी किया गया।

हल्ली, कुमकुम व सिंदूर से सजाई प्रतिमाएं- केवल मिट्टी से ही नहीं बल्कि प्रतिमा बनने के बाद उसे सजाने के लिए भी बच्चों को किसी केमिकल रंग का उपयोग करने के बजाए हल्ली, कुमकुम,

सिंदूर, गुलाल, रोली और चंदन जैसे पारंपरिक प्राकृतिक पदार्थों से गणेशजी को सुंदर रूप देना सिखाया गया। ताकि बप्पा की प्रतिमा को पूरी तरह से प्राकृतिक रूप से तैयार किया जा सके और इससे पर्यावरण को नुकसान के बजाए हम प्रकृति के लिए कुछ कर सकें। बीज होंगे अंकुरित, विसर्जन के बाद भी मिलेगा बप्पा का आशीर्वाद- कार्यशाल में प्रशिक्षण दे रही बिंदु ठोमरे ने बताया कि पिओपी की मूर्तियां देखने में आकर्षक और हल्की होती है, लेकिन इनके विसर्जन से जलस्रोतों में घुलने में परेशानी होती है। कई बार इनके रंग और अन्य रासायनिक पदार्थ भी पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इसके उलट प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमा पानी में गलकर मिट्टी में मिल सकती है। औषधीय बीजों वाली प्रतिमा विसर्जन के बाद मिट्टी में मिलने पर पौधों के जीवन का आधार भी बन सकती है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे संदेश सीधा है कि गणेशजी को घर लाने के लिए प्रकृति को नुकसान पहुंचाना जरूरी नहीं। अपने हाथों से मिट्टी गड़िए, गणपति बनाइए और उत्सव के साथ पर्यावरण भी बचाइए।

शैक्षणिक शुल्क बढ़ाए जाने पर भड़के विधि महाविद्यालय के छात्र



साथ कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के नाम प्राचार्य को ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। इस दौरान ज्ञापन लेने को लेकर छात्रों और प्राचार्य के बीच विवाद हो गया।छात्रों की माने तो शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के समय फीस पहले से तय थी। तब एससी/एसटी वर्ग के छात्रों के लिए 2,313 रुपए और ओबीसी/जनरल वर्ग के लिए 6,713 रुपए फीस तय की गई थी। छात्रों का आरोप है कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद बिना किसी सूचना के फीस बढ़ा दी गई। अब एससी/एसटी छात्रों के लिए यह 10 हजार रुपए और ओबीसी/जनरल वर्ग के लिए 12 हजार रुपए कर दी गई है। छात्रों ने इसे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बताया। इसे लेकर छात्रों ने कुलपति के नाम प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। जिसमें छात्रों ने बढ़ी हुई फीस की वसूली तुरंत रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले से तय शुल्क को ही लागू किया जाए। साथ ही फीस वृद्धि से जुड़ा सक्षम अधिकारी का आदेश भी छात्रों को दिया जाए। छात्रों का कहना है कि सरकारी कालेज में प्रवेश के बाद उसी सत्र में अचानक फीस बढ़ाना पारदर्शिता के खिलाफ है। छात्रों और वकीलों ने प्राचार्य मनोहर मेवाड़ा और रूपेश जोशी पर अभद्रता का आरोप लगाया। छात्रों के अनुसार शुरुआत में प्राचार्य ने ज्ञापन लेने और रसीद पर साइन करने से मना कर दिया था। इसके बाद बहस हुई। काफी समझाने के बाद प्राचार्य ने ज्ञापन स्वीकार किया और रसीद पर हस्ताक्षर किए।

इंदौर से गिरिराज जी के लिए निकले 9 युवा



इस यात्रा का शहर में जगह-जगह श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने फूलों की बारिश कर और जलपात्र करारकर जोरदार स्वागत किया।

यह यात्रा कम्पेल गांव के प्रसिद्ध दस भुजाधारी श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में पूजा-अर्चना और विधि-विधान से शुरू हुई थी। इसके बाद नौ युवक साइकिल से गिरिराज जी धाम की ओर रवाना हुए। यात्रा में शामिल युवकों का उद्देश्य गोवर्धननाथ जी और गिरिराज महाराज के प्रति अपनी आस्था जताना है। यात्रियों ने बताया कि वे रोज तय दूरी साइकिल से पूरी करते हुए करीब सात दिनों में मथुरा-वृंदावन पहुंचेंगे। शाजापुर पहुंचने पर रास्ते में श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। युवकों ने कहा कि वे गोवर्धननाथ जी की कृपा और गिरिराज जी के प्रति अटूट श्रद्धा के साथ इस धार्मिक यात्रा पर निकले हैं। यह यात्रा अब मथुरा-वृंदावन के लिए आगे बढ़ गई है।

न कोई जीता न कोई हारा यह संभव है परस्पर समझौते से- प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री नीना आशापुरे

लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सचिव/न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम श्री नीरज पवैया ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम सुश्री नीना आशापुरे की अध्यक्षता में 12 सितंबर 2026 (शनिवार) को जिला न्यायालय रतलाम एवं तहसील न्यायालय जावरा, सैलाना, आलोट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

लोक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता विवाद प्रतियोषण आयोग, बैंकों के ऋा वसुली प्रकरण, बी.एस.एन.एल, संपत्तिकर एवं जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु



कुल 37 खण्डपीठें जिला स्तर एवं तहसील स्तर पर पृथक-पृथक गठित की गई है। आज 09 सितंबर 2026 को जिला न्यायालय रतलाम प्रांगण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष सुश्री नीना आशापुरे, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रतलाम श्री रामजी गुप्ता के कुशल

नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम द्वारा लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

अभियान में जिला प्राधिकरण की मोबाइल वैन, ई-रिक्षा, विद्युत विभाग एवं नगर निगम के वाहनों द्वारा संपूर्ण रतलाम शहर एवं जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएलसी के माध्यम से नेशनल लोक अदालत एवं अन्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत के व्यापक

प्रचार-प्रसार हेतु जिलें के विभिन्न स्थानों पर बैनर लगवाये गए है। प्रचार वाहनों के माध्यम से प्रसारित जिंगल एवं नालसा थीम सांग तथा विधिक साक्षरता शिविरों के आयोजन तथा पैरालीगल वालेंटियर के द्वारा आमजन तक पहुंच बनाकर उन्हें लोक अदालत आयोजन की व्यापक जानकारी दी जाएगी।

लोक अदालत में विभिन्न विभागों जैसे एम.पी.ई.बी. विभाग, नगर पालिक निगम, बैंकों के मामलेों इत्यादि में विभिन्न प्रकार के शुल्कों में छूट प्रदान की जा रही है। जिसके लिये संबंधित विभाग से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य प्रकरण तथा (वाद पूर्व) प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु प्रस्तुत किए जा रहे हैं। लोक अदालत के माध्यम से मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दावा,

धारा 138 एन.आई.एक्ट, पारिवारिक मामले, ट्राफिक चालान, राजस्व, उपभोक्ता फोरम, श्रम मामले तथा समझौता योग्य आपराधिक एवं सिविल मामलों का निराकरण कराया जा सकता है।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह चुण्डावत सहित समस्त न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री पूनम तिवारी एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार शर्मा, सचिव श्री चेतन केलवा एवं लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अधिवक्तागण एवं अन्य स्टॉफ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम के समस्त कर्मचारीगण एवं पैरालीगल वालेंटियर्स आदि उपस्थित रहे।

आमजन से अपील की जाती है कि नेशनल लोक अदालत में भाग लेकर अपने प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में समझौते के माध्यम से निराकरण करवाकर लाभ प्राप्त करें।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर देपालपुर में जनसंवाद



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों एवं युवाओं के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर देपालपुर में जनसंवाद किया गया। भागीरथ सिलावट कॉलेज में आयोजित संवाद के दौरान छात्र-छात्राओं को

कार्यक्रम की जानकारी दी गई तथा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।जनसंवाद के दौरान बड़ी संख्या में छात्रों ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। छात्रों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला। उपस्थित छात्रों ने 19 सितंबर को बड़ी संख्या में इंदौर पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने की बात कही। इस दौरान शिशा, रोजगार और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में विशाल सिंह राणा, नरेंद्र सिंह राठौड़, श्रीराम ठाकुर, विकास जाधव, अनुपम नकुम, युवराज पटेल, मोहित मकवाना, साहिल मंसूरी, ललित परमार, लोकेश, सतीश तंवर, धीरज मौर्य, लाला ठाकुर, विकास ठाकुर सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं युवा उपस्थित रहे।

भाजपा बदनावर ग्रामीण मंडल की कामकाजी बैठक आयोजित



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौड़ के मांगलिक परिसर में भाजपा बदनावर ग्रामीण मंडल की कामकाजी बैठक आयोजित हुई। बैठक में

आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। मंडल प्रभारी सुभाष जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि बदनावर ग्रामीण मंडल पूरे जिले में श्रेष्ठतम प्रदर्शन करे। महेंद्रसिंह चाचू बना ने संगठन को और मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं को सक्रियता से जुटने की बात कही। कार्यक्रम में रजनीश मालवीय, हितेंद्रसिंह पुरोहित, पूर्व महामंत्री शिवरामसिंह रघुवंशी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नारायणसिंह देवड़ा एवं अजंजा मोर्चा के दिनेश बामणिया अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मंडल अध्यक्ष गोबिंद पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण कुलदीप बना ने दिया। नितिन जाट, कमलेश पटेल एवं मोहनदास ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक के अंत में ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं जिलाध्यक्ष अश्वय शर्मा का साफा बांधकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर अंबाराम पाटीदार, महेश दांगी, महेश रतन, सुनील चौहान, अशोक पटेल, बलराम पाटीदार, दिनेश केलवा, नीलेश गुर्जर एवं अरुण पटेल सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष गोबिंदसिंह खोडिया ने किया तथा आभार हरीश झरानी ने माना।

अखिल भारतीय राठौड़ क्षत्रिय महासभा के त्रिवार्षिक व चुनाव भोपाल में संपन्न



बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय राठौड़ क्षत्रिय महासभा के त्रिवार्षिक चुनाव भोपाल में संपन्न हुए । चुनाव के दौरान महासभा के विभिन्न राष्ट्रीय पदों पर पदाधिकारी का चयन किया गया। समाज के संगठन विस्तार सामाजिक एकता एवं सामाजिक हितों कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नई जिम्मेदारी सौंपी गई।

महासभा में निम्न पदाधिकारी को दायित्व सौंपा गया। रामविलास राठौर

ग्वालियर राष्ट्रीय अध्यक्ष,राजेंद्र भदोरिया भोपाल,राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती सीमा संजय राठौड़ इंदौर, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनोज बोरणा रतलाम,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम राठौड़ बगतगढ़ राष्ट्रीय प्रचार मंत्री जिम्मेदारियां दी गई।

गोवर्धन लाल राठौड़ सिंगल को मिली राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी- गोवर्धन लाल राठौर शिक्षक ग्राम मूलथान बदनावर को अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा में राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री मनोनीत किया गया।

गोवर्धन लाल राठौर को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से क्षेत्र में समाज जनों में हर्ष का माहौल है।

समाजजनों का कहना है कि उनके अनुभव सामाजिक सक्रियता एवं संगठन के प्रति समर्पण का लाभ महासभा को मिलेगा। राष्ट्रीय सह मंत्री के रूप में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को संगठन से जोड़ने तथा सामाजिक से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनकी नियुक्ति पर समाज के पदाधिकारी पर सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी समाज ने उम्मीद जताई है कि नई कार्यकारिणी समाज में आपसी भाईचारा एकता और संगठनात्मक मजबूती को बढ़ावा देते हुए सामाजिक भेद में प्रभावित कार्य करेंगे। इस अवसर पर महासभा से जुड़े समाज जनों ने नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारी के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए संगठन को नई दिशा मजबूती मिलने की उम्मीद जताते हैं।

पदोन्नति पर कालापीपल थाना के रवि भंडारी का अकोदिया में किया भव्य स्वागत



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कालापीपल पुलिस थाने में पदस्थ रवि भंडारी की पदोन्नति होने पर शाजापुर मुख्यालय जाते समय अकोदिया नगर पहुंचने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों

एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप युवा संगठन के जिला अध्यक्ष प्रकाश मेवाड़, अखंड हिंदू युवा संगठन के जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष एवं सरपंच बहादुर सिंह मेवाड़, कृषि उपज मंडी में कार्यरत रमेश मेवाड़ तथा मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ ने रवि भंडारी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। सभी ने रवि भंडारी को पदोन्नति पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

संत कमल किशोर नागर को धमकी, सुरक्षा की मांग को लेकर रैली निकाली

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित कमल किशोर नागर को हाथ से लिखे पत्र के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। धमकी की जानकारी के बाद गुरुभक्तों और गौभक्तों में आक्रोश है। बुधवार को बड़ी चौपाटी स्थित महाराणा प्रताप चौक से पैदल रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

रैली से पहले गौभक्त मंडल के महेंद्रसिंह पीपलीपाड़ा, बजरंग दल के लाखनसिंह जादौन, मनोज सोमानी, शिवरामसिंह रघुवंशी, दशरथसिंह पटेल मनासा सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। ज्ञापन में संत कमल किशोर नागर, उनके परिवार और आश्रम की सुरक्षा बढ़ाने तथा धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई। ज्ञापन का वाचन कुलदीपसिंह पीपलीपाड़ा ने किया।

ज्ञापन के अनुसार 4 सितंबर को झाबुआ जिले के भूराडबारा स्थित गुरु कृपा शबरी गौशाला में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सत्यसंग आयोजित हुआ था। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पंडित नागर



को शाल, श्रीफल सहित विभिन्न सामग्री भेंट की थी। बाद में भेंट की गई सामग्री की जांच के दौरान उसमें हाथ से लिखा धमकी भरा पत्र मिला। बताया गया कि पत्र में संत नागर को गौ-सेवा और आदिवासी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्य बंद करने की चेतावनी दी गई है। साथ ही परिवार सहित जान से मारने और कथा के दौरान गोली मारने की धमकी दिए जाने का उल्लेख है। ज्ञापन में कहा गया कि पंडित कमल किशोर नागर लंबे समय से गौ-सेवा, गौ-तस्करी के

खिलाफ और धर्मांतरण के विरोध में जागरूकता अभियान चला रहे हैं। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में उनके धार्मिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होते हैं। समिति ने आशंका जताई कि उनके कार्यों से नाराज असामाजिक तत्वों की ओर से यह धमकी दी गई हो सकती है।

निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग- गुरुभक्तों और गौभक्तों ने पुलिस प्रशासन से धमकी भरे पत्र की गंभीरता से जांच कर लेखक की पहचान करने, मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा संत नागर, उनके परिवार और आश्रम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि धमकी को गंभीरता से लेते हुए समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि किसी भी संभावित अनहोनी को रोका जा सके। संचालन शिवरामसिंह रघुवंशी ने किया। आभार गौसेवक भेरूलाल पंड्या ने माना। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गौशालाओं के ट्रस्टी, गौसेवक, गुरुभक्त बड़ी संख्या में मौजूद थे।

संत कमल किशोर नागर को जान से मारने की धमकी, श्री पलसावद नितली अकोदिया नगर ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, सुरक्षा बढ़ाने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया हिंदुधर्म के प्रचार-प्रसार, गौ-सेवा तथा आदिवासी अंचलों में धर्मांतरण के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाने वाले मालवा क्षेत्र के प्रसिद्ध संत पंडित कमल किशोर नागर को कथित रूप से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद श्रद्धालुओं में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

मामले को लेकर आज ग्राम नितली पलसावद अकोदिया के भक्तों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत को ज्ञापन सौंपकर संत नागर एवं उनके आश्रम की सुरक्षा बढ़ाने तथा धमकी देने वालों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

भेंट सामग्री में मिला-हस्तलिखित धमकी भरा पत्र, ज्ञापन में बताया गया कि 4 सितंबर को



झाबुआ जिले के भूराडबारा स्थित गुरु कृपा शबरी गौशाला में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रात्रिकालीन सत्संग का आयोजन हुआ था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में

श्रद्धालु शामिल हुए थे। इसी दौरान श्रद्धालुओं द्वारा पंडित कमल किशोर नागर को भेंट की गई शाल, श्रीफल एवं अन्य सामग्री के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कथित रूप से हस्तलिखित धमकी भरा पत्र रख दिया गया।

बाद में भेंट सामग्री की जांच करने पर पत्र सामने आया। पत्र में संत नागर को गौ-सेवा और आदिवासी क्षेत्रों में उनके कार्यों को बंद करने की धमकी देते हुए उन्हें एवं उनके परिवार को जान से मारने की बात कही गई है।

पत्र में यह भी धमकी दी गई है कि कथा के दौरान उन्हें गोली मारी जा सकती है।

गौ-सेवा और धर्मांतरण विरोधी अभियान से नाराजगी की आशंका-नगर पंचायत के पार्षद राजकुमार

परमार ने ज्ञापन का वाचन करते हुए बताया की पंडित कमल किशोर नागर लंबे समय से गौ-सेवा, गौ-तस्करी रोकने तथा धर्मांतरण के खिलाफ जनजागरण करते रहे हैं। उनके अनुयायियों का आरोप है कि उनके इन कार्यों से कुछ असामाजिक तत्व अथवा कथित अवैध गतिविधियों में शामिल लोग नाराज हो सकते हैं।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि इसी वजह से धमकी दी गई हो सकती है। हालांकि धमकी देने वाले व्यक्ति या गिरोह की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

पुलिस से कठोर कार्रवाई की मांग की - क्षेत्र के नागर जी भरत मंडल के सदस्यों ने बताया कि समय रहते प्रशासन ने इस उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

बड़ावदी में आज श्री गोवर्धन लीला का होगा भव्य आयोजन, छप्पन भोग रहेगा आकर्षण का केंद्र

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव में उमड़ेंगे श्रद्धालु, संगीतमय कथा में होगा भगवान श्रीकृष्ण की लीला का वर्णन



बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राम जानकी मंदिर प्रांगण में चल रहे श्रीमद् भागवत की दिव्य कथा एवं ज्ञान गंगा महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को श्री गोवर्धन लीला एवं छप्पन भोग का विशेष आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है तथा छप्पन भोग की तैयारियां की जा रही हैं।

कथा प्रवक्ता परम पूज्य गुरुदेव पंडित योगेन्द्र मोहनलाल जी पौराणिक द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का रसयान कराया जा रहा है। बुधवार को कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का भावपूर्ण एवं संगीतमय वर्णन किया जाएगा। कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण करने के प्रसंग का वर्णन किया जाएगा।

इस अवसर पर भगवान को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। गोवर्धन लीला के प्रसंग के साथ श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा, प्रकृति संरक्षण और भगवान के प्रति समर्पण का संदेश भी मिलेगा। आयोजन में आसपास के गांवों से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रतिदिन सुबह 11:30 बजे से शाम 4 बजे तक किया जा रहा है। कथा के माध्यम से श्रद्धालु धार्मिक प्रसंगों का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ ले रहे हैं। बुधवार के विशेष आयोजन को लेकर ग्रामवासियों द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

समस्त ग्रामवासी बड़ावदी, जिला रतलाम की ओर से धर्मप्रेमी नागरिकों से श्री गोवर्धन लीला एवं छप्पन भोग के विशेष आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कथा श्रवण करने का आग्रह किया गया है।

खबर छपी तो अगले दिन आया ‘भूल सुधार’, 35 दिन बाद प्रकाशित विज्ञप्ति ने फिर खड़े किए सवाल

बड़नगर तहसील में विज्ञप्ति के प्रकाशन को लेकर तारीखों का उलझा मामला



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसील कार्यालय बड़नगर से संबंधित एक विज्ञप्ति के प्रकाशन और उसके बाद जारी हुए भूल सुधार ने एक बार फिर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में पेशी की तारीख निकलने के करीब 35 दिन बाद विज्ञप्ति का अखबार में प्रकाशन, उसके बाद प्रकाशित खबर और फिर अगले ही दिन भूल सुधार का प्रकाशन होना पूरे घटनाक्रम को जांच के घेरे में ला रहा है।

दरअसल, तहसीलदार कार्यालय की विज्ञप्ति क्रमांक 2946, प्र. क्र. 0004/अ-20(7)/2026-27, प्रकरण आवेदक परी डेवलपर्स, इंदौर से संबंधित बताई गई है। इस विज्ञप्ति में दर्ज तारीखों को लेकर सवाल उठने के बाद दैनिक मालवा हेराल्ड द्वारा 8 सितंबर को मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था।

खबर प्रकाशित होने के अगले ही दिन, 9 सितंबर को परी डेवलपर्स की ओर से भूल सुधार का प्रकाशन कराया गया। इसमें कहा

गया कि तहसीलदार, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन की उक्त विज्ञप्ति 5 सितंबर 2026 के दैनिक भास्कर नागदा संस्करण में प्रकाशित हो गई थी और उसका प्रकाशन नूटिवश करवाया गया था। भूल सुधार में यह भी उल्लेख किया गया कि संबंधित विज्ञप्ति न्यायालय में चप्सा किए जाने हेतु थी तथा उसे न्यायालय में नियमानुसार चप्सा करवा दिया गया था। प्रकाशित विज्ञप्ति में अंकित तारीख को निस्स्त/अमान्य मानने की बात भी कही गई है।

‘भूल सुधार’ के बाद और गहरे हुए सवाल- भूल सुधार सामने आने के बाद मामला खत्म होने के बजाय कई नए सवालों को जन्म देता दिखाई दे रहा है।

यदि संबंधित विज्ञप्ति न्यायालय में चप्सा किए जाने के लिए थी, तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह विज्ञप्ति परी डेवलपर्स तक कैसे पहुंची? न्यायालय में चप्सा की जाने वाली विज्ञप्ति की प्रक्रिया क्या थी और वह विज्ञप्ति किन माध्यमों से संबंधित पक्ष तक पहुंची—यह जांच का विषय हो सकता

है।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि विज्ञप्ति संबंधित पक्ष के पास उपलब्ध थी, तो पेशी की तारीख निकलने के लगभग 35 दिन बाद उसका समाचार पत्र में प्रकाशन क्यों कराया गया?

जब पेशी की निर्धारित तारीख निकल चुकी थी, तो उस विज्ञप्ति के प्रकाशन का उद्देश्य क्या था? क्या प्रकाशन प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार हुई थी या इसमें किसी स्तर पर लापरवाही हुई? इन सवालों का जवाब संबंधित रिकॉर्ड और प्रक्रिया की जांच से ही स्पष्ट हो सकता है।

5 सितंबर को प्रकाशन, 9 सितंबर को भूल सुधार भी बना सवाल मामले में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाला पहलु इसका समय-क्रम है।

बताया गया कि विज्ञप्ति का प्रकाशन 5 सितंबर 2026 को हुआ। यदि यह प्रकाशन वास्तव में नूटिवश हुआ था, तो भूल का पता वह विज्ञप्ति किन माध्यमों से संबंधित पक्ष तक पहुंची—यह जांच का विषय हो सकता

जानकारी थी? यदि जानकारी थी तो उसी समय भूल सुधार क्यों नहीं कराया गया? वहीं, 8 सितंबर को मामले को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद 9 सितंबर को भूल सुधार का प्रकाशन सामने आया। इसी वजह से अब यह सवाल भी उठ रहा है कि भूल सुधार की प्रक्रिया पहले क्यों नहीं की गई और क्या खबर प्रकाशित होने के बाद ही इस नूटि को गंभीरता से लिया गया?

तहसीलदार कार्यालय की विज्ञप्ति, लेकिन भूल सुधार परी डेवलपर्स की ओर से—जवाब कौन देगा?

पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मूल विज्ञप्ति तहसीलदार कार्यालय की ओर से जारी हुई थी और उस पर तहसीलदार के हस्ताक्षर बताए जा रहे हैं, जबकि भूल सुधार का प्रकाशन परी डेवलपर्स की ओर से कराया गया। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि मूल विज्ञप्ति संबंधित पक्ष तक किस प्रक्रिया से पहुंची? अखबार में प्रकाशन का निर्णय किसने लिया? प्रकाशन के लिए सामग्री

प्रेम प्रसंग के चलते नाबालिक बालिका ने की आत्महत्या, हिंदू संगठन और राजनीति संगठनों ने किया उग्र आंदोलन

नाबालिक के घर को तोड़ने एवं संस्था प्रचार की गिरफ्तारी को मांग लेकर अड़े प्रदर्शन करी

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उक्त घटना स्थल पर वर्तमान विधायक जितेंद्र सिंह पण्ड्या , पूर्व विधायक मुरली मोरवाल , कांग्रेस नेता राजेन्द्र सिंह सोलंकी बीजेपी आएसएस बजरंग दल कांग्रेस के अलावा करणी सेवा प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर तक धरने पर बैठे हैं परिजन व हिन्दू संगठन नाबालिक बच्ची की लाश को लेकर भगत सिंह चौराहे पर सुबह 10 बजे स शाम बजकर 21 मिनट तक उग्र आंदोलन कर किया पुलिस प्रशासन ने समय के साथ प्रदर्शन करियों को घण्टो समझने का प्रयास के। उनकी मांगों को मानते हुए दोषियों पर उचित कार्यवाही करने का दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करण सिंह व अनुविभागीय अधिकसरी ने प्रदर्शन कारियों की मांग मानते हुए कहा कि शिक्ष विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रूनीजा के प्राचार्य को निर्लाबित कर दिया था पुलिस ने प्रचार्य व नाबालिक जौशन पटेल कक्षा 11 को भी गिरफ्तार कर लिया है।

बड़नगर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुनींजा में कक्षा 11वीं में पढ़ने वाली एक नाबालिक मसवडीया धार छात्रा ए एक अन्य समाज के नाबालिक छात्र के बीच प्रेम पत्र का आदान-प्रदान चल रहा था इसकी



जानकारी संस्था प्राचार्य वृजराज सिंह राठौड़ को लगने पर उन्होंने दोनों नाबालिक के माता-पिता को विद्यालय में बुलाकर उन्हें समझाए कि आपके बच्चे इस तरह की प्रेम प्रसंग की चाल में फंसेते जा रहे हैं कृपया इन्हें समझाएं इस पर लड़की व लड़के के परिजनों ने लिखित में आश्वासन दिया कि बच्चे भविष्य इस प्रकार की बच्चों द्वारा हरकत नहीं करने का आश्वासन दिया। प्राचार्य ने दोनों परिजनों से कहा कि स्कूल का माहौल नहीं बिगड़े इसलिए अभी कुछ समय के लिए इन दोनों बच्चों को स्कूल मत भेजना इसी दरमियान सोमवार की रात्रि में मसवडीया निवासी महेंद्र सिंह की नाबालिक बच्ची ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर इसकी जानकारी हिंदू संगठनों और लड़की के परिजनों आदि को मिली तो

बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन रूनीजा पर भगत सिंह चौराहे पर 10*00 बजे इकट्ठे हो गए और बालिका की लाश को रखकर ओके चक्का जाम कर दिया पुलिस प्रशासन एवं प्रशादन के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे इसमें खाचरोद पुलिस आकांक्षा बछोटे , के थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी ,अनुविभागीय अधिकारी धीरेंद्र पाराशर , तहसीलदार रुपाली जैन , नायब तहसील पूनम सिंह बबेल तम सहित

क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक आदि ने आंदोलन कार्यों को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन आंदोलनकारी की है की मांग थी कि आरोपी के मकान को तोड़ा जाए तो प्रिसिपल को तत्काल गिरफ्तार किया जाए पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी आश्वासन दिया कि बड़नगर में जीरो पर कायमी हुई है। जैसे ही पुलिस डायरी आती है उसके बाद आरोपी पर व लड़की के परिजनों के बयान के आधार पर प्रचार्य के खिलाफ भी मुकदमा कायम कर लिया जाएगा लेकिन लुपुलिस प्रशासन के इतने आश्वासन के बाद भी आंदोलनकारी समझने को तैयार नहीं थे औरप प्रदर्शन लगातार जारी था इस संदर्भ में हमारे द्वारा संस्था की प्रचार्य ब्रज राज सिंह राठौर से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि विद्यालय में पढ़ने वाले दो

नाबालिक बच्चों के प्रेम पत्र की जानकारी जैसे हमें प्राप्त हुई हमने बच्चों की माता-पिता को और बच्चों को बुलाकर उन्हें समझाई थी कि आप अपने बच्चों को समझाएं यह इस प्रकार के प्रेम प्रसंग में पढ़ने जा रहे हैं और इस आधार पर बच्चों को कुछ माहौल न बिगड़े इसलिए कुछ समय के लिए स्कूल नहीं भेजने का निवेदन किया वह परिजनों ने इस संदर्भ में सहमति देते हुए भविष्य में उनके बच्चों द्वारा इस प्रकार की कोई हरकत नहीं करने का आश्वासन भी प्राचार्य को दिया।

इधर घरना स्थल पर भीड़ बढ़ती गई। व आरोपी की मकान तोड़ने व प्रचार्य की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। अनुविभागीय अधिकारी ने नायब तसलिलदार को राजस्व की टीम को मकान तोड़ने के आदेश दिए। इस पर दूसरे पक्ष के लोग भी इकट्ठा हो गए व बोले मकान आरोपी

का नहीं। उसके बाद भी जनता के दबाब मकान तोड़ने की कार्यवाही गई।। अतिरिक्त पुलिस अधिक्ष करण सिंह , एस डी एम धीरेंद्र इंदरेव ने जब ब्रज पर मूसलाधार वर्षा की, तब भगवान ने सात दिन-रात तक अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को धारण कर ब्रजवासियों और गौवश की रक्षा की।। गुरुदेव ने गोवर्धन पूजा के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि यह प्रसंग हमें अहंकार त्याग कर प्रकृति और गौ-सेवा से जुड़ने का संदेश देता है। संगीतमय भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झुम उठे और पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। कथा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का शिकंजा लखेसरा में 15 लीटर हाथ भट्टी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, सिकंदरखेड़ा में भी कार्रवाई

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक आबकारी आयुक्त निधि जैन के निर्देश पर बड़नगर आबकारी क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई की। कंट्रोलर मुकेश कुमार रंथा द्वारा गठित दल ने सहायक जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र सिंह भदौरिया के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया। आबकारी विभाग के अनुसार, आबकारी उपनिरीक्षक एवं वृत्त प्रभारी आकांक्षा गहवाल को मिली मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम सिकंदरखेड़ा, जमालपुरा, लखेसरा एवं सिजवाता में दबिश दी गई।

लखेसरा में 15 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त-ग्राम लखेसरा में आबकारी दल ने धारासिंह पिता भादरसिंह के रहियशी मकान पर दबिश देकर 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश आबकारी



अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 49(क)(1)(एक) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इसके अलावा अन्य कार्रवाई में धारा 34(1)(च) के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि विभाग द्वारा 10 खाली तलाशी भी कायम की गई।

सिकंदरखेड़ा में महिला आरोपी गिरफ्तार-ग्राम सिकंदरखेड़ा में आबकारी दल ने कार्रवाई करते हुए आशाबाई को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई और धारा

34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

वहीं अज्ञात स्थानों से कार्रवाई के दौरान कुल 600 किलो महुआ लहान तथा पॉलीथिन के पाउच में रखी 20 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। आबकारी विभाग ने मौके पर ही महुआ लहान को विधिवत नष्ट कर दिया, जबकि 20 लीटर मदिरा को जब्त कर

आबकारी विभाग के कब्जे में लिया गया। जब्त सामग्री को अनुमानित कीमत 63,600 रुपये बताई जा रही है। इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका- कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी विजय मेढ़ा, ममता भावेल, प्रिया रावत, संजय कुमार जैन, संगीता राठौड़, आबकारी उपनिरीक्षक शुभांगी सिरसाम एवं संदीप कतरोलिया सहित बड़नगर आबकारी स्टाफ के आरक्षक आदित्यराज नागर, ज्योति मेढ़ा, पायल चौहान तथा सहयोगी स्टाफ के मनीष कामदार का सराहनीय योगदान रहा।

श्रीचंद्र प्रभु के 532वें जन्म नक्षत्र महोत्सव की तैयारियां शुरू

19 सितंबर से अखंड रामायण पाठ, 20 को पूजन-अभिषेक व पूर्णाहुति; 11 बजे होगी महाप्रसादी



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सराफा चौक स्थित श्री बड़ा उदासीन आश्रम अखाड़ा में बुधवार को श्रीमहंत सरस्वतीदास महाराज की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें उदासीन संप्रदाय के प्रथम आचार्य श्रीचंद्र प्रभु के 532वें जन्म नक्षत्र महोत्सव को श्रद्धा और धार्मिक उल्लास के साथ मनाने को लेकर कार्यक्रम तय किए गए।

बैठक में बताया गया कि 19 सितंबर को सुबह 8 बजे से अखंड रामायण पाठ प्रारंभ होगा। यह पाठ लोककल्याण एवं विश्व शांति की मंगलकामना के साथ आयोजित किया जाएगा। 20 सितंबर को पूजन-अभिषेक, पूर्णाहुति, आरती, पुष्प समर्पण एवं अरदास के धार्मिक आयोजन होंगे।

महोत्सव के अवसर पर सुबह 11 बजे अखाड़ा परिसर में आयोजन होगा। इसके साथ ही भोजन प्रसादी शांति वाटिका, नयापुरा में रखी गई है।

उदासीन संप्रदाय के भक्तों एवं धर्मानुरागियों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रीचंद्र प्रभु के ज्ञान, वैराग्य और समत्व के संदेश को जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

बैठक में प. आशुतोष भट्ट, गोवर्धन जोशी, रामनिवास नवहाल, अभय सोनी, विपिन सारस्वत, महेश शुक्ला, सतीश शर्मा, किशन सोनी, गोपाल सोनगरा, मुकेश परमार, ईश्वर सोनी, देवेंद्र सोनी, प्रणेश सोनी, ऊषा सोनी एवं अशोक सोनी उपस्थित रहे।

शिप्रा नदी से दूसरे दिन मिली पुलिया से गिरे युवक की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड त्रिवेणी पुलिया से शिप्रा नदी में गिरे युवक की दूसरे दिन बुधवार शाम को लाश मिलना सामने आया है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम द्वारा मंगलवार से ही सर्चिंग की जा रही थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचा कर मामले में मर्ग कायम किया है। इंदौर रोड स्थित ग्राम शक्करावासा में रहने वाला राहुल पिता ओम प्रकाश प्रजापत 19 साल मंगलवार दोपहर शनि मंदिर दर्शन करने आया था। ढाई बजे के लगभग वापस लौटते समय त्रिवेणी छोटी पुलिया से शिप्रा नदी में गिर गया था। घटना की जानकारी लगने पर नानाखेड़ा और नागझिरी थाना पुलिस की टीम थाना पुलिस की पहुंची थी। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया था। शाम 7*30 बजे तक चली सर्चिंग में राहुल का पता नहीं चल पाया था। बुधवार सुबह एसडीआरएफ के साथ बनारस की एनडीआरएफ टीम के सदस्य भी त्रिवेणी स्थित पुलिया पहुंचे और सर्चिंग अभियान शुरू किया गया। 26 घंटे बाद शाम 4*30 बजे के लगभग राहुल को शिप्रा नदी से बाहर निकाल लिया गया। उसकी मौत हो चुकी थी। नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बाँडी पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजी गई है मामले में मर्ग कायम किया गया है। घटनाक्रम सामने आने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे उन्होंने बताया कि राहुल एक हाथ से दिव्यांग था और उसे मिर्गी का दौरा पड़ता था। संभवतः पुलिया से गुजरते समय पानी देखकर उसे मिर्गी का दौरा पड़ा होगा। घटनास्थल पर प्रत्यक्षदर्शियों पुलिस को बताया था कि अचानक चलते-चलते गिरा था और फिसल कर पुलिया से नीचे नदी में चला गया था।

देपालपुर में गूंजेगी भक्ति की स्वर लहरियां, 17 अक्टूबर को सजेगी भव्य भजन संध्या



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व के पांचवे धाम देपालपुर में एक बार फिर भक्ति और संगीत का भव्य संगम देखने को मिलेगा। 17 अक्टूबर 2026 की रात 8 बजे से देवी माता मंदिर, देपालपुर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। पिछले 31 वर्षों से देपालपुर में भक्ति की अलख जगाने वाले भजन सम्राट कैलाशजी इस विशेष आयोजन में अपनी भजनों की शानदार प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। आयोजन में देश की विश्व प्रसिद्ध भजन गायिका अनुराधा पौडवाल विशेष रूप से अपनी प्रस्तुति देंगी। वहीं देश के प्रसिद्ध भजन गायक गजेंद्र प्रताप सिंह भी अपनी सुमधुर आवाज से भक्तों को मंत्रमग्न करेंगे। ऐसे में भजन संध्या को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। भक्ति संगीत की सुरमयी शाम में श्रद्धालु भजनों का आनंद लेने के साथ धार्मिक वातावरण में आस्था से सराबोर होंगे। कार्यक्रम के लिए चिंद्र वर्मा, पूर्वी जिलाध्यक्ष भाजपा इंदौर की ओर से सभी धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है।

नगर के श्री गुजराती रामी माली समाज धर्मशाला में आयोजित



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर के श्री गुजराती रामी माली समाज धर्मशाला में आयोजित 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा का अद्भुत प्रसंग सुनाया गया।

हरिद्वार से पथारे भागवताचार्य गुरुदेव श्री हेमंत जी कश्यप जी महाराज के श्रीमुख से जैसे ही भगवान श्री कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की लीला का वर्णन हुआ, पूरा पंडाल बोल गोवर्धन महाराज की जय के जयकारों से गूंज उठा। कथा प्रसंग में गुरुदेव ने बताया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के अहंकार को तोड़ने के लिए ब्रजवासियों को इंद्र की पूजा के स्थान पर गोवर्धन पर्वत और गौ-धन की पूजा करने की प्रेरणा दी। क्रीधति इंद्रदेव ने जब ब्रज पर मूसलाधार वर्षा की, तब भगवान ने सात दिन-रात तक अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को धारण कर ब्रजवासियों और गौवश की रक्षा की।। गुरुदेव ने गोवर्धन पूजा के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए कहा कि यह प्रसंग हमें अहंकार त्याग कर प्रकृति और गौ-सेवा से जुड़ने का संदेश देता है। संगीतमय भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झुम उठे और पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। कथा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उज्जैन, गुरुवार 10 सितम्बर 2026

पेज नं. **8**

एलिवेटेड ब्रिज, अब आगर रोड पर शुरू हुई पिलर की खुदाई

चरक अस्पताल के बाद मंडी के सामने भी काम शुरू- 945 करोड़ का प्रोजेक्ट- 5.32 किमी लंबे होंगे एलिवेटेड कॉरिडोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ से पहले शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बदलने की तैयारी अब जमीन पर दिखाई देने लगी है। करीब 945.20 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे दो एलिवेटेड ब्रिज के निर्माण ने रफ्तार पकड़ ली है। आगर रोड पर कृषि उपज मंडी के सामने पिलर बनाने के लिए खुदाई शुरू कर दी गई है। इससे पहले 15 अगस्त को चरक अस्पताल के सामने पिलर के लिए खुदाई शुरू हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भूमिपूजन के बाद इंदिरा नगर से इंदौर गेट चौराहे के बीच इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का काम शुरू हुआ है। दोनों एलिवेटेड ब्रिज की कुल लंबाई करीब 5.32 किलोमीटर होगी। निर्माण पूरा होने के बाद आगर रोड पर गुजरने वाले लंबे और भारी ट्रैफिक को सिग्नल और चौराहों से राहत मिलने की उम्मीद है।

दो ब्रिज, ट्रैफिक के लिए होंगे उपयोगी-

गुजरात के 27 दिव्यांग बच्चों ने सुबह किए महाकाल दर्शन



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुजरात के मेहसाणा जिले के कड़ी तालुका स्थित शासकीय विद्यालय ब्लॉक रिसोर्स सेंटर के 27 दिव्यांग बच्चे आज बुधवार सुबह भगवान महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे। बच्चों के साथ 22 अभिभावक और 8 शिक्षक भी मौजूद रहे। दल ने ज्योतिर्लिंग भगवान

महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। विद्यालय की समन्वयक शिक्षिकाओं अंकलेश्वरी बेन और आरती बेन ने बताया कि श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई थी। इससे बच्चों को बिना परेशानी के मंदिर में दर्शन करने का अवसर मिला। दर्शन के दौरान बच्चों में खासा उत्साह नजर आया।

बीमारी से परेशान वृद्ध ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिता बुधवार सुबह देर तक नहीं जागे तो पुत्र देखने पहुंचा कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुत्र ने खिड़की से देखा तो पिता रस्सी के फंदे पर लटके हुए थे। उन्हें नीचे उतारा गया और अस्पताल लाया गया लेकिन कुछ देर बाद मौत हो गई। नीलगंगा थाना क्षेत्र के गधापुलिया रहने वाले 55 वर्षीय नासिर हुसैन पिता गुलशन अहमद बुधवार सुबह 10 बजे तक नींद से जाग कर नहीं उठे थे। पहले परिवार को लगा कि स्वास्थ्य खराब है इसलिए सो रहे होंगे, कुछ देर बाद पुत्र नईम पिता को देखने पहुंचा तो उनका कमरा अंदर से बंद था। आवाज लगाने पर पिता ने दरवाजा नहीं खोला तो पुत्र ने खिड़की से अंदर झांक कर देखा पिता रस्सी के फंदे पर लटके थे। उसने भाई नदीम को आवाज लगाई और खिड़की खोलकर अंदर पहुंचा पिता को फंदे से उतारा गया। उनकी सांसे चल रही थी दोनों पुत्र अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन कुछ देर बाद ही नासिर हुसैन की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और कमरे को सील करने के बाद पुत्र की शिकायत पर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि काफी समय से स्वास्थ्य खराब चल रहा था उनका डायलिसिस भी होना था संभवत बीमारी के चलते ही उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया है।

मिलावटखोरों पर एडीएम अतेंद सिंह गुर्जर की सख्त कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम) श्री अतेंद सिंह गुर्जर द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रस्तुत खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध दर्ज प्रकरणों में सुनवाई के बाद सख्त कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में मिथ्याछाप खाद्य पदार्थों के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय, अमात्य खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्रय, प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के विक्रय तथा बिना खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन के खाद्य कारोबार करने के मामलों में जुर्माना अधिरोपित किया गया।

स्कूलों के विद्युतीकरण को मिली रफ्तार, 1,763 स्कूलों में बिजली कनेक्शन का कार्य पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्युतीकरण का कार्य प्राथमिकता के साथ



प्रोजेक्ट में दो अलग-अलग एलिवेटेड ब्रिज बनाए जा रहे हैं। पहला चार लेन का एलिवेटेड ब्रिज चिमनगंज मंडी चौराहे से इंदौर गेट तक बनेगा। वहीं दूसरा दो लेन का ब्रिज निकास चौराहे से इंदौर गेट तक बनाया जाएगा। वर्तमान में चरक अस्पताल और कृषि उपज मंडी के सामने पिलर के लिए

शुरूआती निर्माण कार्य दिखाई देने लगा है। अंकपाट मार्ग वाले हिस्से में काम अभी शुरू नहीं हुआ है। 30 मिनट तक अतिरिक्त समय, ब्रिज बनने से मिलेगी राहत-आगर रोड शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है। कृषि उपज मंडी, नगर निगम, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थान इसी मार्ग के आसपास हैं। दिनभर यहां वाहनों का दबाव बना रहता है। पीक टाइम में वाहन चालकों को कई चौराहों और ट्रैफिक सिग्नलों पर रुकना पड़ता है। इससे कई बार सफर में करीब 30 मिनट तक अतिरिक्त समय लग

जाता है।

एलिवेटेड ब्रिज बनने के बाद लंबी दूरी और सीधे जाने वाला ट्रैफिक ऊपर से निकलेगा। नीचे की सड़क का उपयोग स्थानीय वाहन, बाजार और आसपास के संस्थानों तक आने-जाने वाले लोग कर सकेंगे। इससे चौराहों पर वाहनों का दबाव कम होने और जाम की स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

सिंहस्थ से पहले पूरा करने की चुनौती - शहर में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के साथ ही बड़े निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने पर जोर है। एलिवेटेड ब्रिज प्रोजेक्ट को करीब 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण एजेंसी के सामने चुनौती यह है कि काम के दौरान आगर रोड पर यातायात भी चलता रहे और निर्धारित समय में ब्रिज का निर्माण भी पूरा हो। ब्रिज तैयार होने के बाद आगर रोड के व्यस्त हिस्से में ट्रैफिक का नया विकल्प तैयार होगा।

11 सितंबर को बैंक बंद, उज्जैन में 4 हजार कर्मचारी उतरेंगे सड़क पर 5 दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग को लेकर टॉवर चौक पर प्रदर्शन- प्रभावित होगा बैंकिंग कामकाज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर 11 सितंबर को देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर होने वाली इस हड़ताल का असर उज्जैन में भी दिखाई देगा। शहर की 297 बैंक शाखाओं में कार्यरत 4 हजार से अधिक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल होंगे। इससे सरकारी बैंकों में कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहेगा।

हड़ताल के दिन शुक्रवार है। इसके बाद शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण बैंकिंग सेवाएं लगातार तीन दिन प्रभावित रहेंगी। बैंक यूनियनों का दावा है कि देशभर में करीब 10 लाख कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल व प्रदर्शन में शामिल होंगे।

टॉवर चौक से निकलेगी रैली- उज्जैन में बैंक कर्मचारी सुबह टॉवर चौक पर एकत्रित

होकर प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद यहां से रैली

निकाली जाएगी। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग की जा रही है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में अब तक अंतिम अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

पूर्व में बनी थी सहमति, अधिसूचना का इंतजार- यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के सह संयोजक विपिन सिंह सतोरिया ने बताया कि 27 जनवरी को भी बैंक कर्मचारियों ने मांग को लेकर प्रदर्शन किया था, लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2024 को केंद्र सरकार और बैंक यूनियनों के बीच पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद वित्त मंत्रालय की ओर से इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

मायके में महिला पर पति के रिश्तेदारों ने किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।तलाक के बाद पति से अलग मायके में रह रही महिला पर तलाकशुदा पति के रिश्तेदारों ने हमला कर दिया। घायल महिला को उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती किया गया है। चिमनगंज पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

गैस गोदाम प्रेम नगर में रहने वाली संगीता मालवीय 34 साल का विवाह शाजापुर में सुनील के साथ हुआ था लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते 5 साल पहले दोनों का तलाक हो गया। संगीता मायके में आकर रहने लगी थी। लेकिन न्यायालय में भरण पोषण का प्रकरण चल रहा है। तलाकशुदा पति सुनील के रिश्तेदार श्री प्रेम नगर में रहते हैं जिनके द्वारा आए दिन भरण पोषण का मामला वापस लेने का दबाव बनाया जाता है रात में भी इसी बात को लेकर संगीता से सुनील के रिश्तेदार मोतीलाल, सायरबाई, मीना, भेरूलाल, राजू, कल्पना ने विवाद किया

कलेक्टर द्वारा नगरीय निकायों की मासिक समीक्षा बैठक ली गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में नगरीय निकायों की मासिक समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अमृत फेज 02 के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री

सिंह ने समस्त इंजीनियरों को स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्हेल और महिंदपुर में तेज गति से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास के अंतर्गत किए जाने वाले निर्माण कार्यों की प्रगति व

कायाकल्प फेज 02 अभियान

की भी समीक्षा की गई।

पौधारोपण अभियान की समीक्षा के दौरान उन्हेल में पौधारोपण कार्य में अपेक्षानुरूप प्रगति नहीं पाई जाने पर वहां के सीएमओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

और लाठी डंडों से हमला कर चाकू दिखाते हुए जान से

मारने की धमकी दी।

घायल संगीता को कुछ लोगों ने चिमनगंज थाने पहुंचा जहां से पुलिस ने उसे उपचार के लिए भर्ती कराकर मामले में माफीपट करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। संगीता का आरोप है कि तलाक के बाद से ही उसे पति सुनील के रिश्तेदारों द्वारा परेशान किया जा रहा है वह महाकाल मंदिर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करती थी वहां भी गलत आरोप लगाकर उसे नौकरी बाहर निकलवा दिया वह मजदूरी कर दो बच्चों का पालन पोषण कर रही है। मामले में सहायक उप निरीक्षक दिनेश वरकड़े ने बताया कि महिला की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है फिलहाल महिला उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती है।

शिप्रा आरती पर देशभर के तीर्थ पुरोहित एकजुट, उज्जैन में हुई धर्मसभा

पारंपरिक आरती में प्रशासनिक दखल का विरोध- मांग नहीं मानी तो जंतर-मंतर पर आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रामघाट पर मां शिप्रा की पारंपरिक आरती को लेकर प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों के बीच चल रहा विवाद अब उज्जैन से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचता नजर आ रहा है। बुधवार को देश के प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से आए पुरोहितों ने रामघाट पर मां शिप्रा का पूजन-अभिषेक कर पारंपरिक आरती व्यवस्था बनाए रखने की मांग उठाई। इसके बाद अखिल भारतीय तीर्थ महासभा की कार्यकारिणी की बैठक में आंदोलन की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

शाम को शगुन गार्डन में धर्मसभा आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर से आए तीर्थ पुरोहित और प्रतिनिधि शामिल होंगे। धर्मसभा में रामघाट की आरती व्यवस्था, महाकाल मंदिर समिति की भूमिका और पारंपरिक आरती में प्रशासनिक हस्तक्षेप के मुद्दे पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

अयोध्या से रामेश्वरम तक के पुरोहित पहुंचे- बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे अयोध्या, नासिक-ल्यंबकेश्वर, प्रयागराज,



हरिद्वार, बैजनाथ धाम, कुरुक्षेत्र, मथुरा और रामेश्वरम सहित देश के प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से आए पुरोहित रामघाट पहुंचे। यहां मां शिप्रा का पूजन-अभिषेक किया गया। पूजन के दौरान पुरोहितों ने मौजूदा आरती व्यवस्था का विरोध करते हुए इसे पारंपरिक स्वरूप में संचालित करने की मांग रखी।

अखिल भारतीय तीर्थ महासभा के अध्यक्ष पंडित रामकृष्ण तिवारी ने कहा कि वर्षों से चली आ रही शिप्रा आरती की परंपरा के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांगों पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन

करने की चेतावनी भी दी।

धार्मिक परंपरा के बजाय इवेंट बनाया जा रहा-तीर्थ पुरोहितों का आरोप है कि रामघाट की पारंपरिक आरती को धार्मिक परंपरा के बजाय आयोजन या इवेंट के रूप में संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका सबसे बड़ा विरोध आरती की व्यवस्था को टेंडर प्रक्रिया से जोड़ने और महाकाल मंदिर में अध्ययनरत

बटुकों से आरती कराने को लेकर है।

पुरोहितों का कहना है कि वे उज्जैन के विकास और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन तीर्थ परंपराओं में प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जा सकता। पंडित अमर डिब्बेवाला सहित अन्य पुरोहितों ने भी पारंपरिक व्यवस्था

बहाल करने की मांग उठाई है।

एक महीने से चल रहा विवाद- शिप्रा आरती को लेकर विवाद करीब एक महीने पहले उस समय शुरू हुआ, जब महाकाल मंदिर समिति की ओर से आए बटुकों से रामघाट पर आरती कराई गई। वर्षों से पारंपरिक आरती करा रहे तीर्थ

सिंहस्थ के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या को देखते हुए यह कॉरिडोर शहर की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एक नजर में पूरा प्रोजेक्ट

लागत- 945.20 करोड़ रुपए
कुल लंबाई- करीब 5.32 किमी
ब्रिज की संख्या- 2
पहला ब्रिज- चिमनगंज मंडी चौराहा से इंदौर गेट, चार लेन
दूसरा ब्रिज-निकास चौराहा से इंदौर गेट, दो लेन
काम शुरू- चरक अस्पताल और कृषि उपज मंडी के सामने
निर्माण लक्ष्य- करीब 18 महीने
उद्देश्य- सिंहस्थ-2028 से पहले शहर के प्रमुख मार्ग पर ट्रैफिक दबाव कम करना

यूनियन का तर्क है कि भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और केंद्र व राज्य सरकार के कार्यालयों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है। ऐसे में बैंकिंग क्षेत्र में भी इसे लागू करने का निर्णय अब और लंबित नहीं रखा जाना चाहिए।

मांग नहीं मानी तो 28 से फिर हड़ताल - बैंक यूनियनों ने साफ किया है कि 11 सितंबर की हड़ताल के बाद भी यदि सरकार ने मांग पर ठोस निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन का दूसरा चरण शुरू होगा। इसके तहत 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है। शनिवार और रविवार के साप्ताहिक अवकाश को जोड़ने पर बैंक लगातार पांच दिन बंद रह सकते हैं।

सतोरिया ने कहा कि सरकार ने मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो बैंक कर्मचारी आंदोलन को और व्यापक करेंगे।

नदी में लापता युवक की तलाश में देरी पर परिजनों का हंगामा, त्रिवेणी पुलिया पर लगाया जाम

मिर्गी का दौरा पड़ने के बाद राहुल के नदी में गिरने की आशंका- 24 घंटे से एसडीआरएफ-एनडीआरएफ का तलाश अभियान जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। त्रिवेणी पुलिया से नदी में गिरे 19 वर्षीय राहुल प्रजापति की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही, लेकिन बुधवार देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिला।

मंगलवार दोपहर से एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें नदी में तलाश कर रही हैं। तलाश में देरी से नााज राहुल के परिजनों ने बुधवार सुबह त्रिवेणी पुलिया के दोनों ओर जाम लगा दिया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया और अतिरिक्त टीम बुलाकर तलाश तेज करने का भरोसा दिया। इसके बाद जाम खोल दिया गया।

नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेंद्र यादव के अनुसार राहुल पिता ओमप्रकाश प्रजापति (19), शक्करवासा का रहने वाला है। मंगलवार को वह शनि मंदिर पुल से शक्करवासा की ओर जाने वाली छोटी पुलिया से गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक मिर्गी का दौरा पड़ने की बात सामने आई। इसके बाद राहुल पुलिया से नदी में गिर



गया। घटना की अन्य परिस्थितियों की पुलिस जांच कर रही है।

मंगलवार दोपहर से नदी में तलाश- घटना की सूचना मिलते ही मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे से एसडीआरएफ की टीम ने तलाश शुरू कर दी थी। बाद में एनडीआरएफ की टीम भी अभियान में शामिल हुई। नदी के आसपास और पानी के भीतर लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन बुधवार तक राहुल का पता नहीं चल पाया।

नदी में जमा मिट्टी बनी बड़ी बाधा- पुलिस के मुताबिक नदी में चल रहे निर्माण कार्य के कारण

कई जगह बड़ी मात्रा में मिट्टी जमा है। पानी के अंदर मिट्टी और गाद होने से टीमों को तलाश में परेशानी आ रही है। इसी वजह से तलाश में अपेक्षाकृत अधिक समय लग रहा है। अभियान को तेज करने के लिए अतिरिक्त टीम भी मौके पर बुलाई गई है।

परिजनों ने पूछ, तलाश में देरी क्यों - बुधवार सुबह राहुल के परिजन और परिचित पुलिया पर पहुंचे। काफी समय

बीत जाने के बाद भी युवक का पता नहीं चलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और पुलिया पर दोनों तरफ रास्ता रोक दिया। कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने परिजनों को बचाव दल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और अतिरिक्त संसाधन लगाने का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिजन सड़क से हट गए।फिलहाल नदी में तलाश जारी है। परिवार राहुल के मिलने की उम्मीद लगाए बैठा है, जबकि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें नदी के अलग-अलग हिस्सों में लगातार तलाश कर रही हैं।

कमल कॉलोनी में आयशर ने गाय को मारी टक्कर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में कमल कॉलोनी फल मंडी के पास आयशर ने गाय को टक्कर मार दी। रफ्तार इतनी तेज थी कि गाय के दो टुकड़े हो गए। चालक आयशर लेकर भाग निकला। लोगों की भीड़ जमा हो गई और उनका गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस ने टक्कर मारने वाली आयशर की तलाश शुरू की है। मामला चिमनगंज थाना क्षेत्र का है फल मंडी के पास देर रात कमल कॉलोनी और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई थी मौके पर एक गाय दो टुकड़ों में मृत पड़ी थी। कुछ लोगों ने बताया कि तेज गति से आई आयशर ने टक्कर मारी थी और चालक आयशर लेकर भाग निकला है। लोगों द्वारा आक्रोश व्यक्त किया जाने लगा मामले की जानकारी लगते ही पुलिस फल मंडी पहुंची। गाय के शव को कपड़े से ढका गया मामले की सूचना नगर निगम को दी गई वहां आने पर गाय का शव पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया वहीं मामले में पुलिस ने बजरंग कॉलोनी के रहने वाले सीरभ पिता हंसराज की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। कमल कॉलोनी और फल मंडी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर आयशर चालक की तलाश शुरू की गई है।

रिक्शा चालक पर बियर की बोतल से किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देर शाम रिक्शा चालक पर तीन लोगों ने बीयर की बोतल से हमला कर दिया। चालक घायल हुआ है।

डॉचा भवन परसव्ती नगर में रहने वाले ई-रिक्शा चालक राजेश गुप्ता शंकर लाल चंद्रवात ने चिमनगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई की वह महाकाल मंदिर के पास से रिक्शा चालन का काम करता है। शाम को बाहर से आए तीन श्रद्धालुओं ने काल भैरव दर्शन के लिए चलने की बात कही। वह महाकाल मंदिर से काल भैरव जाने के लिए तीनों श्रद्धालुओं को लेकर निकला इस दौरान रास्ते में श्रद्धालुओं ने काल भैरव को शराब चढ़ाने की बात कही और दुकान पर चलने के लिए कहा। तीनों श्रद्धालुओं को वह आगर रोड स्थित वाइन शॉप लेकर पहुंचा जहां तीनों श्रद्धालु शराब लेने गए लेकिन काफी देर तक वापस नहीं आए तो वह देखने के लिए अंदर गया जहां तीनों बियर पी रहे थे उन्हें जल्दी चलने के लिए कहा तो विवाद करते हुए बियर की बोतल से सिर पर हमला कर दिया और वहां से भाग निकले। चिमनगंज पुलिस के अनुसार मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है रिक्शा चालक यह भी नहीं जानता है कि तीनों कहां से दर्शन के लिए उज्जैन आए थे। मामले की जांच की जा रही है सीसीटीवी कैमरो से जानकारी जुटाना का प्रयास किया जा रहा है।